



ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-3 को मंजूरी

2035 तक 900 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य की ओर बड़ा कदम: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर फेज-III योजना को कैबिनेट की मंजूरी देश को वर्ष 2035 तक 900 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य तक पहुंचाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि यह फैसला स्वच्छ ऊर्जा, मजबूत बिजली ग्रिड और रोजगार सृजन को नई गति देगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा, "स्वच्छ बिजली, मजबूत ग्रिड और अधिक अवसर"। उन्होंने बताया कि ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर फेज-III के तहत 135 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की निकासी सुनिश्चित की जाएगी, 50 गीगावाट-घंटे (जीडब्ल्यूएच) बैटरी स्टोरेज क्षमता विकसित की जाएगी और राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों में बिजली ग्रिड को मजबूत बनाया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना विनिर्माण, निर्माण और ऊर्जा भंडारण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को और तेज करेगी। इसके साथ ही एक अन्य एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, देशभर के किसानों के हितों की रक्षा के साथ ही उनकी आय में बढ़ोतरी के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं



छोड़ रहे हैं। इसी दिशा में हमारी सरकार ने 2027-28 के मार्केटिंग सीजन के लिए रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य यानि एमएसपी में वृद्धि को मंजूरी दी है। इससे देश के करोड़ों किसान भाई-बहनों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिलना सुनिश्चित होगा। दरअसल, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को जीईसी-क्वक्मयोजना को मंजूरी दी है, जिसका उद्देश्य देशभर के राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 135 गीगावाट तक नवीकरणीय ऊर्जा के प्रभावी प्रसारण और एकीकरण के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा विकसित करना है।

भारत का ऊर्जा क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विस्तार कर रहा है। जुलाई 2026 तक देश की कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 552 गीगावाट तक पहुंच चुकी है, जबकि वर्ष 2014 में यह लगभग 249 गीगावाट थी। इसमें 300.50 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता शामिल है, जो देश की कुल स्थापित बिजली क्षमता का 54 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बनाती है। भारत वर्तमान में नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित क्षमता के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। जुलाई 2026 तक

देश की स्थापित सौर क्षमता 164.59 गीगावाट तक पहुंच गई, जो वर्ष 2014 में केवल 2.8 गीगावाट थी। सौर ऊर्जा अब भारत की कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का सबसे बड़ा घटक बन चुकी है। वर्ष 2025 में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा वृद्धि बाजार बना। इस दौरान देश ने 37 गीगावाट से अधिक नई सौर क्षमता जोड़ी, जबकि अमेरिका ने लगभग 34 गीगावाट की वृद्धि दर्ज की।

ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर फेज-III योजना को वित्त वर्ष 2032-33 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना की कुल लागत 1.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक होगी, जिसमें 1.36 लाख करोड़ रुपये राज्यों के भीतर ट्रांसमिशन सिस्टम विकसित करने पर खर्च किए जाएंगे, जबकि 50,000 करोड़ रुपये की लागत से 50 जीडब्ल्यूएच बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली स्थापित की जाएगी। योजना के तहत बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियां नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादकों या अन्य महत्वपूर्ण ग्रिड स्थलों पर स्थापित की जाएंगी। इनका उद्देश्य सौर और पवन ऊर्जा को अनियमित उपलब्धता से जुड़ी चुनौतियों, ग्रिड भीड़भाड़ और पीक आवर्स की मांग को बेहतर तरीके से संभालना है। सरकार ने इस योजना के लिए 54,082 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता देने का प्रावधान किया है।

पीएम मोदी और ट्रंप के बीच फोन पर हुई बातचीत व्यापार-रक्षा समेत कई क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों समेत विभिन्न क्षेत्रों में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और इसे और मजबूत करने के लिए करीबी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई।

बातचीत के दौरान क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों नेताओं ने वैश्विक शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जारी प्रयासों पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर बातचीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसे सार्थक बातचीत बताया। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के साथ सार्थक बातचीत हुई। हमने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और अन्य क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की। हमने अपनी व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को अनियमित उपलब्धता से जुड़ी चुनौतियों, ग्रिड भीड़भाड़ और पीक आवर्स की मांग को बेहतर तरीके से संभालना है। सरकार ने इस योजना के लिए 54,082 करोड़ रुपये की केंद्रीय वित्तीय सहायता देने का प्रावधान किया है।



वैश्विक शांति और सुरक्षा को आगे बढ़ाने के लिए जारी प्रयास शामिल हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने दोनों देशों के लोगों के हित में सहयोग को और गहरा करने के लिए करीबी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई। पीएमओ ने कहा कि नेताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया और वैश्विक शांति एवं सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए जारी प्रयासों पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई। अमेरिकी प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत-अमेरिका संबंधों के विस्तार के लिए एक मरलत्वाक्षी रोडमैप का संकेत दिया है। वाशिंगटन अगले साल की

शुरूआत में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा की दिशा में काम कर रहा है और नई दिल्ली की अपने सबसे करीबी रणनीतिक साझेदारों में से एक मानता है। जून में व्हाइट हाउस में आईएनएस को दिए अलग-अलग विशेष साक्षात्कारों में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत बताया था।

दोनों अधिकारियों ने व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते सहयोग को रेखांकित किया था। रुबियो ने कहा था कि अमेरिकी प्रशासन अगले साल ट्रंप की भारत यात्रा की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा था कि वह खुद भी साल के अंत से पहले भारत आने और अगले साल की शुरूआत में राष्ट्रपति की यात्रा की तैयारियों को उम्मीद कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

रबी की 6 फसलों की एमएसपी बढ़ी, गेहूं 2610 रुपये विवंटल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रबी विपणन सत्र 2027-28 के लिए सभी छह अनिवार्य रबी फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी को मंजूरी दी है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि गेहूं की एमएसपी 25 रुपये बढ़ाकर 2,610 रुपये, चना 83 रुपये बढ़ाकर 5,958 रुपये और मसूर 390 रुपये बढ़ाकर 7,390 रुपये प्रति विवंटल की गई है। रेपसीड एवं सरसों की एमएसपी में 413 रुपये, कूसुम में 675 रुपये और जौ में 136 रुपये प्रति विवंटल की बढ़ोतरी की गई है। चौहान के अनुसार, फैसले का उद्देश्य किसानों को उनकी उत्पादन लागत पर लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराना और दलहन-लिलहन के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना है।

इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करना गलत: अचीर रंजन चौधरी

मुर्शिदाबाद। कांग्रेस नेता अचीर रंजन चौधरी ने एनसीआईआरटी की कक्षा 9 की किताब में मुगल शासन और सिख गुरुओं के संबंध से जुड़े इतिहास के उल्लेख पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास किसी देश और समाज की पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए पाठ्यपुस्तकों में तथ्यों के साथ छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। चौधरी ने कहा कि नई पीढ़ी को देश के अतीत की सही जानकारी मिलना जरूरी है। उन्होंने पाठ्यपुस्तकों में बदलाव करके समग्र ऐतिहासिक स्रोतों और तथ्यों को ध्यान में रखने की बात कही। उन्होंने विपक्षी दलों से चुनावी प्रक्रिया और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर मिलकर काम करने की अपील भी की।

दिल्ली जल बोर्ड ने सीवर, जलापूर्ति और यमुना सफाई की परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड ने सीवर, जलापूर्ति और यमुना सफाई से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। बोर्ड ने सीवर रखरखाव के लिए 10 साल की 17,969.93 करोड़ रुपये की योजना को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इसके तहत दिल्ली को आठ जीन में बांटेकर हावन जोन, वन ऑपरेटरह्व व्यवस्था लागू की जाएगी।

दक्षिण दिल्ली की जलापूर्ति सुधारने के लिए 6,044.05 करोड़ रुपये की परियोजना को भी मंजूरी मिली है। वहीं, यमुना सफाई के लिए 328 एमजीडी क्षमता वाले 13 नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने पर 7,373 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बोर्ड ने वजीराबाद जलापूर्ति परियोजना के लिए 1,214.58 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी भी दी है।

भाजपा नेताओं का अखिलेश यादव पर हमला, लाल टोपी को लेकर साधा निशाना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मंत्री दयाशंकर सिंह ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए लाल टोपी को लेकर टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में लाल टोपी को लोग गुंडागर्दी, अराजकता और भ्रष्टाचार से जोड़कर देखते हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव अब भगवा रंग का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, भाजपा नेता भूपेंद्र सिंह चौधरी ने अखिलेश यादव की चौधरी वरण सिंह को लेकर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा पर किसानों के अपमान और खराब कानून-व्यवस्था के आरोप लगाए। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं पर विपक्ष की ओर से उठाए गए रहे सवालों की भी आलोचना की।

केपीएससी मर्ती घोटाले में ईडी का शिकंजा

बेंगलुरु। पूर्वतन निदेशालय बेंगलुरु जूनल कोर्ट की ओर से कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा 400 पदों के लिए प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए लाल टोपी को लेकर टिप्पणी की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में लाल टोपी को लोग गुंडागर्दी, अराजकता और भ्रष्टाचार से जोड़कर देखते हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव अब भगवा रंग का इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं, भाजपा नेता भूपेंद्र सिंह चौधरी ने अखिलेश यादव की चौधरी वरण सिंह को लेकर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा पर किसानों के अपमान और खराब कानून-व्यवस्था के आरोप लगाए। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं पर विपक्ष की ओर से उठाए गए रहे सवालों की भी आलोचना की।

हरियाणा की राजस्व व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना है: सीएम

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हमारा रास्ता स्पष्ट है कि नागरिकों पर अतिरिक्त कर का बोझ डाले बिना राज्य की वित्तीय क्षमता बढ़ाना और हरियाणा की राजस्व व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना। सीएम नायब सिंह सैनी ने बताया कि चंडीगढ़ में कर एवं राजस्व को सुदृढ़ करने के विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मिलित होकर देशभर से आए नीति-निर्माताओं, कर प्रशासकों, अर्थशास्त्रियों, शिक्षाविदों एवं प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों का स्वागत किया। हरियाणा की आर्थिक प्रगति को नई गति देने के लिए कर एवं राजस्व व्यवस्था में पारदर्शिता, तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता है।

हरियाणा विजन 2047 में भी एक मजबूत एवं टिकाऊ राजस्व व्यवस्था का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मेरा विश्वास है कि इस सम्मेलन में होने वाला विचार-मंथन हरियाणा को नई आर्थिक ऊंचाइयों तक ले जाने में भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन भी वचुंअल तरीके से राष्ट्रीय सम्मेलन में शामिल



हुए और अपना मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सम्मेलन को संबोधित किया। सीएम ने कहा कि हमारा लक्ष्य स्पष्ट है कि हरियाणा की आर्थिक ताकत और क्षमता को बढ़ाना और विकास के लिए राज्य के संसाधनों को मजबूत करना। यही हमारा उद्देश्य है। हमारा 'हरियाणा विजन डॉक्यूमेंट 2047', प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय संकल्प के अनुरूप है। यह सम्मेलन इस दिशा में एक मजबूत कदम है। हमने लक्ष्य रखा है कि 2030 तक हरियाणा का अपना टैक्सरेवेन्यू राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 10 प्रतिशत और 2047 तक 15 प्रतिशत हो जाए। दूसरी ओर सीएम ने पीएमडीए के अधिकारियों के साथ बैठक कर पंचकुला के समग्र एवं सुनियोजित विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की।

हलफनामे में सामने आया धनराज नाथवानी का संपत्ति ब्योरा

सपा उम्मीदवार धनराज नाथवानी के पास 105 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति, पत्नी की संपत्ति 264 करोड़

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा उम्मीदवार धनराज परिमल नाथवानी ने अपने नामांकन के साथ दाखिल शपथपत्र में 105 करोड़ रुपये से अधिक की चल-अचल संपत्ति घोषित की है। शपथपत्र के मुताबिक, नाथवानी के पास करीब 77.75 करोड़ रुपये की चल और 27.67 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। इस तरह उनके नाम कुल संपत्ति करीब 105.42 करोड़ रुपये है।

दिलचस्प बात यह है कि संपत्ति के मामले में उनकी पत्नी उनके कहीं आगे हैं। शपथपत्र के अनुसार, नाथवानी की पत्नी के नाम करीब 211.10 करोड़ रुपये की चल और 53.59 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। यानी दोनों की घोषित संपत्ति को जोड़ें तो यह राशि करीब 370 करोड़ रुपये तक पहुंचती है। धनराज नाथवानी की संपत्ति के ब्योरे में एक और खास बात सामने आती है। करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्ति घोषित करने के बावजूद उनके या उनकी पत्नी के नाम कोई कार दर्ज नहीं है। नाथवानी ने अपने नाम करीब 1.62 करोड़ रुपये



के आभूषण घोषित किए हैं, जबकि उनकी पत्नी के पास करीब 8.54 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के आभूषण हैं। शपथपत्र में दर्ज आयकर संबंधी विवरण भी खासा उल्लेखनीय है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक धनराज नाथवानी की घोषित आय में एक साल में बड़ा इजाफा दर्ज हुआ है। जहां एक अवधि में उन्होंने करीब 7.27 करोड़ रुपये की आय घोषित की थी, वहीं बाद की अवधि में यह आंकड़ा बढ़कर करीब 19.61 करोड़ रुपये हो गया। इसके पहले 2023-24 में उनकी घोषित आय करीब 6.60

से भी जुड़े रहे हैं और उनकी उम्मीदवारी ने राज्यसभा चुनाव में राजनीतिक गलियारों के साध-साथ कारोबारी जगत का ध्यान भी खींचा है। सपा के दूसरे राज्यसभा उम्मीदवार और पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रो. रामगोपाल यादव ने भी अपने चुनावी शपथपत्र में संपत्ति का ब्योरा दिया है। उपलब्ध विवरण के मुताबिक उनके पास करीब 14.61 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति है। इसमें 4.61 करोड़ रुपये से अधिक की चल और करीब 9.99 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल है। उन पर करीब 99.86 लाख रुपये की देनदारी भी बताई गई है।

रामगोपाल यादव के संपत्ति ब्योरे में सोने के आभूषण और हथियार भी शामिल हैं। उनके नाम करीब 610 ग्राम सोने के आभूषण दर्ज हैं। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध उनके पुराने चुनावी हलफनामे के रिकॉर्ड में अमेरिका निर्मित .30 कार्बान, जर्मनी निर्मित .32 बोर ऑर्निमिथस रिवाल्वर और एक .22 बोर ब्रानो राइफल का भी उल्लेख मिलता है।

मुख्यमंत्री विजय ने एआईएडीएमके पर डीएमके के साथ गठबंधन का आरोप लगाया



चेन्नई। मुख्यमंत्री और तमिलनाडु वेद्री कजगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय ने बुधवार को एआईएडीएमके पर डीएमके की 'शाखा' बनने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियां एक ही तरह से काम कर रही हैं और उनके राजनीतिक हित एक जैसे हैं। 6 अक्टूबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव से पहले धरपुरम में टीवीके उम्मीदवार सत्यबामा के लिए प्रचार करते हुए विजय ने कहा कि वे मतदाताओं से मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक बेटे और परिवार के सदस्य के रूप में मिलने आए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार को खत्म करने और अपने चुनावी वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। राजनीति के प्रति राजशाही दृष्टिकोण को खारिज करते हुए विजय ने आरोप लगाया कि कुछ नेता अभी भी ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानो वे सत्ता में बने हुए हों। विजय ने दावा किया कि एआईएडीएमके अब अप्रत्यक्ष रूप से डीएमके के साथ गठबंधन कर चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पूर्व मुख्यमंत्रियों एमजी रामचंद्रन और जे. जयललिता की विरासत को नुकसान पहुंचा है। एआईएडीएमके छोड़ने के सत्यबामा के फैसले का बचाव करते हुए विजय ने कहा कि उन्होंने टीवीके में शामिल होने से पहले धरपुरम विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था और उनका कहना था कि उनका पार्टी बदलना किसी भी तरह की राजनीतिक सौदेबाजी से जुड़ा नहीं था। सत्यबामा अपने भाषण के दौरान भावुक हो गई और उन्होंने कहा कि उनके इस्तीफे और पार्टी बदलने को लेकर ऑनलाइन हमलों के कारण उन्हें दो महीने तक अपना फोन बंद करना पड़ा। विजय उन्हें 'सात्वता देते नजर आए। सरकारिया आयोग के संदर्भ पर एआईएडीएमके की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाते हुए विजय ने आरोप लगाया कि पार्टी डीएमके का समर्थन कर रही है और जोर देकर कहा कि केवल टीवीके ही इसका विरोध कर रही है।

भाजपा जिला कार्यकारिणी की मासिक बैठक संपन्न, संगठन और चुनावी तैयारियों पर मंथन

भाजपा जिला कार्यकारिणी की बैठक में कार्यकर्ताओं को दिए संगठन मजबूती के निर्देश

ग्रेटर नोएडा। भाजपा गौतमबुद्धनगर जिला कार्यालय में बुधवार को जिला कार्यकारिणी की मासिक संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की गतिविधियों, सेवा संकल्प अभियान और स्नातक एवं शिक्षक चुनावों की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।

बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और चुनावी तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रिय यत्ना और अनुशासन पर निर्भर करती है। जिला प्रभारी कांता कर्दम ने

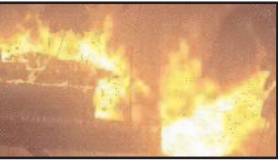


आपसी समन्वय और लगातार जनसंपर्क पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि गौतमबुद्धनगर में संगठन सक्रियता से काम कर रहा है और कार्यकर्ता विभिन्न अभियानों व कार्यक्रमों को सफल बनाने में जुटे हैं। दादरी विधायक तेजपाल नागर

ने कार्यकर्ताओं को संगठन की प्रमुख ताकत बताते हुए सेवा कार्यों और जनसंपर्क को प्राथमिकता देने की अपील की। बैठक में प्रदेश मंत्री महामेधा नागर, क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर, क्षेत्रीय मंत्री आयुष पंवार, एमएलसी एवं स्नातक प्रत्याशी

दिनेश गोयल, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रणीत भाटी, रकम सिंह भाटी, विजय भाटी, एमएलसी शिक्षक प्रतिनिधि अविनाश शर्मा सहित जिला एवं क्षेत्र के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

नोएडा बस अग्निकांडः मानवाधिकार आयोग ने डीएम से मांगी रिपोर्ट



नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस में आग लगने से नौ यात्रियों की मौत के मामले में उत्तर प्रदेश मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लिया है। आयोग ने गौतमबुद्धनगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम से 7 दिसंबर 2026 तक जांच रिपोर्ट मांगी है।

23 सितंबर की रात दिल्ली से महोबा जा रही बस में जेवर क्षेत्र के पास आग लग गई थी। हादसे में नौ यात्रियों की मौत हुई थी। पुलिस चालक और परिचालक समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। दिल्ली निवासी सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णा राजपूत की शिकायत पर आयोग ने बस में सुरक्षा व्यवस्था, अग्निशमन तैनात, आपातकालीन निकास और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 8 दिसंबर को होगी।

खाद्य सुरक्षा को लेकर सघन सैपलिंग और निरीक्षण के निर्देश

गौतमबुद्धनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की जिला स्तरीय समिति की बैठक हुई। बैठक में जिले के लोगों को शुद्ध, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने को लेकर विभागीय कार्रवाई की समीक्षा की गई। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश कुमार मिश्रा और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र द्विवेदी ने खाद्य सुरक्षा को लेकर हाल में किए गए निरीक्षण, सैपलिंग और प्रवर्तन कार्रवाई की जानकारी दी। मुख्य विकास अधिकारी ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर खाद्य एवं पेय पदार्थों की सघन सैपलिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला जांच में मिलावट की पुष्टि होने पर संबंधित प्रतिष्ठान के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए और जुमाने समेत अन्य दंडात्मक प्रावधान लागू किए जाएं। सीडीओ ने खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को रेस्टोरेंट, ढाबों, स्कूल-कॉलेजों और छात्रावासों की कैटीन समेत अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का नियमित और आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही फूड फोर्टिफिकेशन, इस्तेमाल किए गए खाना पकाने के तेल के सुरक्षित निस्तारण और शुद्ध खाद्य पदार्थों के उपयोग को लेकर जागरूकता अभियान चलाने को कहा।



बैठक में औषधि निरीक्षक ने जिले में गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए की गई कार्रवाई की जानकारी दी। सीडीओ ने ब्लड बैंकों, मेडिकल स्टोर्स, दवा निर्माण इकाइयों और कॉस्मेटिक उत्पादों की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ पूरी जिम्मेदारी से काम करने को कहा, ताकि जिले के लोगों को सुरक्षित खाद्य पदार्थों के साथ गुणवत्तापूर्ण दवाएं भी उपलब्ध हो सकें। बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, औषधि निरीक्षक, खाद्य सुरक्षा अधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा, अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

गौतमबुद्धनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति-शासी निकाय की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बाढ़ एवं भर्ती मरीजों की सेवाओं, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों, मातृत्व स्वास्थ्य, क्षय रोग कार्यक्रम, दवाओं की उपलब्धता, टेलेमिडिसिन और एंबुलेंस सेवाओं समेत मुख्य योजनाओं की समीक्षा हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने चिकित्सा अधीक्षकों, प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों और संबंधित अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित समीक्षा करने तथा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए गए कि

गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण के समय ही आशा कार्यकर्ता बैंक खाता खुलवाने में सहयोग करें। गर्भावस्था के दौरान होने वाली जांचों के समय बैंक खाते की जानकारी का सत्यापन किया जाए। प्रसव केंद्र पर दस्तावेजों की जांच के बाद पात्र लाभार्थियों को योजना का भुगतान समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। क्षय रोग कार्यक्रम की समीक्षा में दवा-प्रतिरोधी क्षय रोग मरीजों की पहचान, जांच और उपचार की स्थिति की जानकारी ली गई। मुख्य विकास अधिकारी ने उपचारारम्भ मरीजों की नियमित निगरानी करने और उन्हें निर्धारित समय पर उपचार उपलब्ध कराने को कहा। स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों तथा आयुष्मान् आरोग्य मंदिरों पर जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्वास्थ्य संबंधी अभिलेखों की सभी आवश्यक विवरणियां समय से पूरी करने और अधिक से अधिक पात्र मरीजों को दूरस्थ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

पति ने पत्नी से जताया जान का खतरा, मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के सफीपुर गांव निवासी एक युवक ने अपनी पत्नी उसके प्रेमी और परिवार से जान को खतरा बताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पति का आरोप है कि पत्नी झूठे मुकदमे में फंसाने और जान से मारने की धमकी दे रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित ने बताया कि उसकी शादी एक साल पहले गाजियाबाद की रहने वाली एक युवती के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही पत्नी का व्यवहार उबसते और परिवार के अन्य सदस्यों के प्रति ठीक नहीं रहा। वह आए दिन विवाद करती थी और फोन पर एक अन्य युवक से बातचीत करती थी। इसको लेकर विरोध करने पर उसे झूठे मुकदमों में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी जाती थी। आरोप है कि पत्नी ने अपनी ईमेल आईडी से रसपेडेट के मैसेंजर और तस्वीरें दिखाते हुए कथित तौर पर स्वीकार किया कि उसके संबंध एक युवक से है। पत्नी ने कहा कि परिवार के लोगों ने उसकी इच्छा के विरुद्ध शादी कराई है। वह अपने प्रेमी को ही अपना पति मानी है तथा उसी के साथ रहना चाहती है।

नोएडा सेक्टर-128 में रेहड़ी-खोमचों का कब्जा, जाम और गंदगी से लोग परेशान



नोएडा। सेक्टर-128 में पंकिसव बैंक के पास सड़क किनारे रेहड़ी-खोमचों और अस्थायी दुकानों के बढ़ते अतिक्रमण से स्थानीय लोग परेशान हैं। सड़क किनारे कब्जे के कारण आए दिन जाम की स्थिति बन रही है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रेहड़ी-खोमचों से निकलने वाला कचरा आसपास की नालियों में डाला जा रहा है। जिससे नालियां कचरे से भर गई हैं और इलाके में गंदगी बढ़ रही है। लोगों के मुताबिक, नोएडा प्राधिकरण की ओर से समय-समय पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है, लेकिन कार्रवाई के कुछ समय बाद ही रेहड़ी-खोमचों दोबारा जाम जाते हैं। इससे कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं, कुछ लोगों की ओर से संबंधित कर्मचारियों को कथित रूप से पैस दिए जाने के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। स्थानीय लोगों ने प्राधिकरण से मामले की जांच कराने, सड़क से अतिक्रमण हटाने और नालियों की नियमित सफाई कराने की मांग की है। हालांकि नया सेक्टर-126 क्षेत्र का बताया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

खेड़ी मनौता गांव में प्राधिकरण की कार्रवाई का ग्रामीणों ने किया विरोध

ग्रेटर नोएडा। खेड़ी भनौता गांव में कार्रवाई करने पहुंची ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। टीम के गांव पहुंचते ही ग्रामीणों ने कार्रवाई का विरोध जताया। हालांकि, प्राधिकरण की टीम किस कार्रवाई के लिए गांव पहुंची थी और ग्रामीणों के विरोध की वजह क्या थी, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

रास्ते में घेरकर कार सवार को पीटा

नोएडा। सेक्टर-113 थानाक्षेत्र में रास्ते में घेरकर कार सवार को पीटने के मामले में दो नामजद और कई अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। जनता फ्लैट निवासी नवीन कुमार झा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीते रविवार को रात दस बजे के करीब वह कार से अपने घर आ रहे थे। रास्ते में गंदीप, उनकी पत्नी और राहुल समेत अन्य लोगों ने कार रोक ली। सभी ने गाली मारते हुए हमारे पीट की। आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह शिकायतकर्ता आरोपियों के चंगुल से निकला और उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचा। हालत गंभीर होने के चलते उसे सफरदरजन अस्पताल के लिए रेफर किया गया। पुलिस ने संपीप, उसकी पत्नी, राहुल और तीनों के अज्ञात साथियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस नामजद आरोपियों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई करने की बात कह रही है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से सब्जी विक्रेता की मौत

नोएडा। सेक्टर-39 थानाक्षेत्र में सोमवार देर रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने रेहड़ी लेकर घर जा रहे सब्जी विक्रेता को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। संभल के बहजोई निवासी सोमवीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका 32 वर्षीय भाई मंगल सिंह बरौला में परिवार के साथ रहता था। वह रेहड़ी पर सब्जी बेचता था। सोमवार रात सब्जी बेचने के बाद वह घर लौट रहा था। इसी दौरान आरक्यूबी मॉल के पास पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने उनकी रेहड़ी में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मंगल सिंह सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी रेहड़ी भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद मुक्त का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। वाहन के नंबर के आधार पर पुलिस आरोपी चालक तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

नोएडा में चार लोगों से 28 लाख की साइबर ठगी

नोएडा। साइबर ठगों ने चार लोगों से करीब 27.96 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी कर ली। शिकायतों के आधार पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने चार अलग-अलग मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-83 निवासी राशेरा मिश्रा से 6.08 लाख, सेक्टर-113 निवासी अमिनस्वर मुखर्जी से 5.08 लाख, सेक्टर-117 निवासी कुलदीप कुमार यादव से 8.92 लाख और ललित मुखर्जी से 7.88 लाख रुपये की ठगी हुई। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने किसी को मुनाफे का झांसा दिया तो किसी को लिंक डाउनलोड करारक ठगी की। पुलिस बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और अन्य डिजिटल माध्यमों की जांच कर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

श्रमिक की मौत मामले में बिल्डर समेत सात पर केस

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनेो वेस्ट स्थित चिपियाना के समीप निर्माणधीन विला की दूसरी मंजिल से गिरकर श्रमिक की मौत हो गई थी। इस मामले में मृतक श्रमिक के भाई ने बिल्डर और ठेकेदार समेत सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। इनपर लापरवाही का आरोप लगाया है। पुलिस के मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मसूरी गाजियाबाद के रहने वाले बंटी ने पुलिस से शिकायत की है। बंटी ने पुलिस को बताया कि उसका भाई पंकज ठेकेदार के बुलाने पर चिपियाना स्थित निर्माणधीन साइट पर काम करने के लिए गया था। साइट पर काम करते समय 27 सितंबर को पंकज की दूसरी मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। बंटी का आरोप है कि बिल्डर व ठेकेदार द्वारा बिना सुरक्षा उपाय साइट पर पंकज से काम करवाया गया। इनकी लापरवाही की वजह से हादसा हुआ। ऐसे में इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जानी चाहिए। पुलिस ने बंटी की शिकायत पर बिल्डर दिनेश, सुदेश, लोकेश, मोहन, ठेकेदार क्रिश, पारस के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कंपनी की साइट से कॉपर के तार चोरी

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में नोएडा सेक्टर 156 स्थित एक कंपनी की साइट से कॉपर तार चोरी किए जाने का मामला सामने आया है। कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर ने मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर राघवेंद्र प्रताप सिंह की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि कंपनी की साइट से करीब दो महीने पहले लाखों रुपये कीमत का कॉपर तार चोरी किया गया। इसकी शिकायत पुलिस से की गई थी। पुलिस ने पूरे मामले की जांच पड़ताल के बाद इस घटना में मुकदमा दर्ज किया है।

झुग्गी-झोपड़ियों में निशुल्क कॉपी और पेसिल बांटी

ग्रेटर नोएडा। उम्मीद संस्था द्वारा बादलपुर के निकट झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क रजिस्टर, कॉपीयां, नोटबुक और पेसिल वगैरहा की गई। संस्था के संस्थापक डॉ. देवेंद्र कुमार नागर ने कहा कि आर्थिक अभाव के कारण किसी बच्चे की शिक्षा बाधित नहीं होनी चाहिए। संस्था का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़कर उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाना है। उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से भी शिक्षा के इस अभियान में सहयोग करने की अपील की। अदण जागेश कुमार उपस्थित रहे।

नोएडा में डेंगू-मलेरिया की रोकथाम के लिए अक्टूबर में चलेगा विशेष अभियान, सेक्टरों और गांवों में होगी एंटी लार्वा स्प्रे व फॉगिंग

नोएडा। शहर में संचारी रोगों की रोकथाम और मच्छरों के बढ़ते प्रकोप पर नियंत्रण के लिए नोएडा प्राधिकरण ने अक्टूबर माह में विशेष अभियान चलाने की तैयारी की है। प्राधिकरण के वर्क सर्फिल-01 से लेकर वर्क सर्फिल-05 तक के अंतर्गत आने वाले अलग-अलग सेक्टरों और गांवों में रोस्टर के अनुसार प्रतिदिन एंटी लार्वा स्प्रे और फॉगिंग कराई जाएगी। अभियान का उद्देश्य मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया समेत मच्छरजनित बीमारियों के प्रसार को रोकना और शहर में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखना है। प्राधिकरण की ओर से तैयार किए गए अक्टूबर माह के रोस्टर के अनुसार अलग-अलग दिनों में विभिन्न सेक्टरों और ग्रामीण क्षेत्रों को अभियान में शामिल किया जाएगा।

इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों की टीमों संबंधित क्षेत्रों में पहुंचकर मच्छरों के प्रजनन स्थलों को चिन्हित करेंगे। खासतौर पर गड्डों, नालियों और अन्य स्थानों पर जमा पानी की जांच की जाएगी। जहां भी पानी जमा मिलेगा, वहां एंटी लार्वा दवा का छिड़काव कराया जाएगा, ताकि मच्छरों के लार्वा को पनपने से पहले ही नष्ट किया जा सके।

इसके अलावा झाड़ियों, खाली पड़े स्थानों, गंदगी वाले क्षेत्रों और ऐसे अन्य स्थानों पर भी फॉगिंग



कराई जाएगी, जहां मच्छरों के पनपने की संभावना अधिक रहती है। आवश्यकता के अनुसार चिन्हित स्थानों पर फॉगिंग की जाएगी। प्राधिकरण का प्रयास है कि अभियान को केवल औपचारिक कार्रवाई तक सीमित न रखते हुए मच्छरों के वास्तविक प्रजनन स्थलों की पहचान कर वहां प्रभावी कार्रवाई की जाए। अभियान को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए संबंधित स्वास्थ्य निरीक्षकों और स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि निर्धारित रोस्टर के अनुसार अपने-अपने क्षेत्रों में फॉगिंग मशीन और एंटी लार्वा स्प्रे सहित अन्य

जरूरी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। साथ ही अभियान के दौरान प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त कार्रवाई भी कराई जाएगी। प्राधिकरण के अनुसार मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम केवल सरकारी स्तर पर किए जाने वाले छिड़काव और फॉगिंग से संभव नहीं है। इसके लिए नागरिकों की भागीदारी भी बेहद जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए लोगों से अपील की गई है कि वे अपने घरों और आसपास किसी भी स्थान पर पानी जमा न होने दें। कुलर, गमले, छतों, पुराने बर्तनों, टायरों तथा अन्य ऐसे स्थानों की नियमित सफाई करें, जहां बारिश या अन्य कारणों से पानी जमा हो सकता है। प्राधिकरण ने नागरिकों से अपील की है कि यदि उनके आसपास लंबे समय से पानी जमा है या मच्छरों के प्रजनन की स्थिति दिखाई देती है तो संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दें। समय पर पानी की निकासी और सफाई होने से मच्छरों के प्रजनन को काफी हद तक रोका जा सकता है। नोएडा प्राधिकरण का कहना है कि अक्टूबर माह में चलाए जाने वाले इस विशेष अभियान के माध्यम से शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में मच्छरों की रोकथाम के लिए लगातार कार्रवाई की जाएगी।

दुजाना के लाल ने एशियन गेम्स में बढ़ाया देश का मान, दो पदक किए अपने नाम

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के दादरी क्षेत्र के गांव दुजाना के रहने वाले युवा एथलीट जय कुमार नागर ने जापान के नागोया शहर में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम किए हैं। जय कुमार ने एक रजत और एक कांस्य पदक जीतकर न केवल अपने गांव और परिवार का नाम रोशन किया, बल्कि अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर भारत का गौरव भी बढ़ाया है। जय कुमार की इस उपलब्धि के बाद दुजाना गांव सहित दादरी क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। ग्रामीणों और खेल प्रेमियों ने उनकी सफलता पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जय कुमार नागर ने 24 सितंबर 2026 को आयोजित 400 मीटर मिक्स्ट रिले स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा बनकर बड़ी उपलब्धि हासिल की। इस रिले टीम में दो पुरुष और दो महिला एथलीट शामिल रहे। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में जय कुमार का प्रदर्शन उनके निरंतर अभ्यास, अनुशासन और मेहनत का परिणाम माना जा रहा है। एशियन गेम्स जैसे बड़े मंच पर पदक जीतना किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि है। जय कुमार ने इसके बाद 29 सितंबर



2026 को 4400 मीटर पुरुष रिले में भी शानदार प्रदर्शन किया और भारतीय टीम के साथ कांस्य पदक हासिल किया। इस रिले टीम में जय कुमार नागर के साथ भर्षवी चौधरी, मनु टीएल और विशाल टिके शामिल रहे। चारों खिलाड़ियों ने मिलकर शानदार प्रदर्शन किया और भारत की पदक तालिका में एक और पदक जोड़ा। इस तरह जय कुमार नागर ने एशियन गेम्स 2026 में दो अलग-अलग रिले स्पर्धाओं में पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। जय कुमार नागर की सफलता को लेकर वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता ओमवीर आर्य ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे दुजाना गांव और

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026 का भव्य समापन

90 देशों और 2400 से अधिक प्रदर्शकों ने इसमें हिस्सा लिया

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट (आईईएमएल) में आयोजित उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) का चौथा संस्करण मंगलवार शाम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। वर्ष 2023 में योगी सरकार द्वारा शुरू की गई यह पहल अब महज एक प्रदर्शनी नहीं रह गई है, बल्कि उत्तर प्रदेश के उद्योग, उद्यमिता, निर्यात और वैश्विक कारोबार को एक मंच पर लाने वाला सबसे शक्तिशाली माध्यम बन चुकी है। एक्सप्रेसवे, जेवर एयरपोर्ट, बेहतरे एयर कनेक्टिविटी और आधुनिक लॉजिस्टिक्स के दम पर यह ट्रेड प्लेटफॉर्म यूपी के उत्पादों को सीधे वैश्विक आपूर्ति शृंखला (ग्लोबल सप्लाई चेन) से जोड़ रहा है। राज्य सरकार ने ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद), एमएसएमई, स्टार्टअप और रोजगार को आर्थिक विकास की धुरी बनाया है। यूपीआईटीएस इसी रणनीति का वह मास्टरस्टोक है, जिसने यूपी के हस्तशिल्प, टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टरों को सीधे विदेशी खरीदारों के सामने ला खड़ा किया है। वर्ष 2025 में जहां इस आयोजन ने 288 एमओयू (89 करोड़ रुपये) और 80 देशों की भागीदारी देखी थी, वहीं 2026 के चौथे संस्करण ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस साल 2,400 से अधिक प्रदर्शकों, 90 देशों और 550 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदारों ने हिस्सा लिया। विपणन, जापान, सिंगापुर, रूस,



ऑस्ट्रिया और बेलारूस जैसे छह साझेदार देशों की मौजूदगी ने 'ब्रांड यूपी' की वैश्विक धाक को प्रमाणित किया है। वर्ष 2003 में इंडिया एक्सपो मार्ट की जिस आधारशिला को रखा गया था, वह आज एक विशालकाय ग्लोबल बिजनेस हब में तब्दील हो चुकी है। लगातार बढ़ती मांग के बीच परिसर ने अपनी क्षमता का जबरदस्त विस्तार किया है। मार्च 2024 तक जहां 14 प्रदर्शनी हॉल थे, वहीं 2026 तक इनकी संख्या बढ़कर 16 हो गई है। इसका ऑपरेशनल एरिया 17.87 प्रतिशत बढ़कर अब 76,484 वर्गमीटर हो चुका है। आज इस परिसर में हस्तशिल्प से लेकर रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, फार्मा और औद्योगिक तकनीक जैसे दुनिया के प्रमुख सेक्टर

एक ही छत के नीचे अपना कारोबार बढ़ा रहे हैं। यह ट्रेड कनेक्ट केवल पांच दिन के मेले तक सीमित नहीं है। इंडिया एक्सपो मार्ट के स्थायी मार्ट में 31 जुलाई 2026 तक 1,800 शो-रूम और 774 निर्यातकों की मौजूदगी दर्ज की गई है। 'मार्ट सोर्सिंग डेज' जैसे आयोजनों से विदेशी खरीदार और स्थानीय आपूर्तिकर्ता साल भर संपर्क में रहते हैं। डिजिटल कॉमर्स को बढ़ावा देने के लिए 'एक्सपो डिजिटल इंडे' और 'एक्सपो बाजार' जैसे प्लेटफॉर्म भी लॉन्च किए गए हैं, ताकि भारतीय उत्पाद ऑनलाइन ग्लोबल सप्लाई चेन का अटूट हिस्सा बन सकें। यूपीआईटीएस जैसे मेगा इवेंट्स का लाभ केवल प्रदर्शकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे इकोसिस्टम को रफ्तार देता है। इन आयोजनों से स्थानीय होटलों, परिवहन, कैटरिंग, लॉजिस्टिक्स और सुरक्षा एजेंसियों के लिए भारी मांग पैदा होती है। एक्सपो मार्ट ने प्रत्यक्ष रोजगार के साथ-साथ हजारों बाहरी सेवा प्रदाताओं के लिए भी आजीविका के नए दरवाजे खोले हैं। भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हुए, इंडिया एक्सपो मार्ट ने हॉल संख्या 4 और 6 के नवीनीकरण तथा हॉल 18 के विकास की नई कार्ययोजना तैयार की है। 'मनी अलफा 360°' और 'भारत सस्टेनेबिलिटी एक्सपो' जैसे नए आयोजनों के साथ ग्रेटर नोएडा अब पूरी तरह से दुनिया का नया 'सेंटरल बिजनेस डेस्टिनेशन' बनने के लिए तैयार है।

आईएमएस नोएडा में प्रतिभा और आत्मविश्वास से सजा ग्लैम एन गीक 2026



नोएडा। इस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस), नोएडा के स्कूल ऑफ आईटी में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत के लिए ग्लैम एन गीक 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नृत्य, संगीत, मंचीय प्रस्तुतियों, प्रतिभा प्रदर्शन और प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभाव आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल ऑफ आईटी की विभागाध्यक्ष डॉ. मौनिका दीक्षित बाजपेयी ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को सजग, सक्षम और कोशल से संपन्न बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की शैक्षणिक उन्नति

और सर्वांगीण विकास संस्थान की प्राथमिकता है। कार्यक्रम के संयोजक अनुश्रव मुद्गल ने बताया कि प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में विद्यार्थियों ने रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर बीसीए वर्ग में देव दत्त को मिस्टर ग्लैम एन गीक और कृतिका को मिस ग्लैम एन गीक चुना गया। वहीं एमसीए वर्ग में परलव चौहान को मिस्टर ग्लैम एन गीक और शोना गुरंग को मिस ग्लैम एन गीक का खिताब मिला। संगीत, नृत्य और प्रतिभा प्रदर्शनों से सजे समारोह ने नवागंतुक विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय जीवन की यादगार शुरूआत की।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा



नौरज पाण्डेय
गौतमबुद्धनगर। मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति-शासी निकाय की बैठक आयोजित हुई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों, संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, हेल्थ एवं वेलनेस सेंटर, मातृत्व स्वास्थ्य, क्षय रोग कार्यक्रम, दवाइयों और एंजुलेंस सेवाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने चिकित्सा अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित समीक्षा करते हुए निष्ठापूर्वक लक्ष्यों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने वीएबी परिवारों की लाइन लिस्टिंग तैयार करने और अधिक प्रभावित क्षेत्रों में ब्लॉक रिसॉर्स टीम की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। जननी सुरक्षा योजना की समीक्षा के

दौरान गर्भवती महिलाओं के बैंक खाते और दस्तावेजों का समय पर सत्यापन कर पात्र लाभार्थियों को योजना का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। क्षय रोग कार्यक्रम के तहत एमडीआर/आरआर टीबी मरीजों की नियमित निगरानी और समय पर उपचार पर जोर दिया गया। हेल्थ एवं वेलनेस सेंटरों तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आवश्यक सेवाएं मजबूत रखने, ई-कनवर्ज की प्रविष्टियों समय से पूरी करने और ई-संजीवनी के माध्यम से अधिक मरीजों को टेलीमैडिसिन सुविधा देने के निर्देश दिए गए। एचपीवी वैक्सीन के शत-प्रतिशत टीकाकरण, दवाओं की उपलब्धता और जरूरतमंदों को समय से एंजुलेंस सेवा उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। बैठक में सीएमओ डॉ. मदन मोहन मणि त्रिपाठी, डॉ. ए.के. झा, डॉ. आर.के. सिरोहा, आर.पी. सिंह, श्रुति किरति वर्मा, मंजीत कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

नोएडा में दो वाहन चोर/चेन स्नैचर गिरफ्तार, बाइक और चेन बरामद



नोएडा। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने वाहन चोरी और चेन स्नैचिंग की घटनाओं में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल, दो टूटी हुई पीली धातु की चेन, दो अवैध चाकू और 15,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 29 सितंबर 2026 को मैनुअल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर जैन पेट्रोल पंप, सेक्टर-54 के पास कच्चे रास्ते से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विशाल उर्फ गोल्डी (30)

निवासी ईस्ट विनोद नगर, दिल्ली और मोहित उर्फ प्रिंस (19) निवासी खिचड़ीपुर, दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के कब्जे से हरो डीलक्स मोटरसाइकिल (रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी 52 एएन 4976), दो टूटी हुई पीली धातु की चेन, दो अवैध चाकू और 15,500 रुपये बरामद हुए हैं।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर-24 में संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज हैं। बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

विश्व हृदय दिवस: छोटे शहरों में भी बढ़ रहे हृदय संबंधी दावे

मुंबई। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इश्योरेंस ने हृदय स्वास्थ्य को लेकर बदलते रूझानों से हृदय दिवस को लेकर प्रकाश डाला। कंपनी के दावा संबंधी आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वित्तीय वर्षों में गैर-महानगरीय शहरों से हृदय संबंधी दावों में लगातार वृद्धि हुई है। टियर-3 शहरों से आने वाले दावों की संख्या इस अवधि में दोगुनी हुई है, जबकि टियर-3 शहरों से भी लगातार दावे प्राप्त हुए हैं। लगभग 10 में से 7 हृदय संबंधी दावे गैर-महानगरीय क्षेत्रों से आए हैं। कंपनी के अनुसार, छोटे शहरों में जांच और विशेष उपचार सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ने,



स्वास्थ्य जागरूकता और बेहतर चिकित्सा सेवाओं के कारण हृदय रोगों का समय पर निदान और उपचार संभव हो रहा है। हृदय-ताल संबंधी विकार, कोरोनरी आर्टरी रोग और उचित स्वास्थ्य बीमा परिवारों को निगरानी व दीर्घकालिक उपचार की आवश्यकता हो सकती है। कंपनी ने बताया

टैक्स की दरें बढ़ाकर नहीं, कर आधार बढ़ाकर मजबूत करेंगे हरियाणा की राजस्व व्यवस्था: सीएम सैनी



नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य की राजस्व व्यवस्था को मजबूत करने के लिए टैक्स की दरें बढ़ाने के बजाय कर आधार का विस्तार, बेहतर अनुपालन, राजस्व हानि पर रोक और आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा। ईमानदार करदाताओं पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना राज्य की वित्तीय क्षमता बढ़ाना सरकार का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने हॉविकसित हरियाणा 2047 के लिए हरियाणा की अपनी कर-राजस्व व्यवस्था के विशेषण एवं मजबूती पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि अप्रैल से अगस्त 2026 के दौरान हरियाणा का एसजीएसटी संग्रह 29 प्रतिशत बढ़कर 24,662 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह

19,174 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि राज्य के अपने कर-राजस्व को जीएसटीवॉश के 7 प्रतिशत से कम के स्तर से बढ़ाकर 2030 तक 10 प्रतिशत और 2047 तक 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। यह वृद्धि कर दरें बढ़ाकर नहीं, बल्कि कर आधार और अनुपालन बढ़ाकर हासिल की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरग्राम में आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्लोबल टेक पैरेडिलीटी सेंटर सहित औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार राजस्व आधार को बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने एआई, मशीन लर्निंग और डेटा विश्लेषण के माध्यम से कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने पर जोर दिया। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंत नगेश्वरन ने हरियाणा की औद्योगिक क्षमता और

हरियाणा में निवेश, रोजगार और उद्यमिता को मिलेगी नई गति: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उद्योगों को प्रोत्साहन, युवाओं को रोजगार और किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। राज्य में निवेश, औद्योगिक विकास, एमएसएमई, कृषि आधारित उद्योग और फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने के लिए तीन नई नीतियों से संबंधित प्रोत्साहन योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में चंडीगढ़ में स्टैंडिंग फाइनेंस कमिटी की बैठक में मेक इन हरियाणा इंडस्ट्रियल पॉलिसी-2026, हरियाणा प्रोसेसिव एमएसएमई एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2026 तथा हरियाणा एग्री-बिजनेस एंड फूड प्रोसेसिंग पॉलिसी-2026 के प्रावधानों पर चर्चा हुई। मेक इन हरियाणा नीति के तहत पहले पांच वर्षों में 5,305.89 करोड़ के वित्तीय प्रावधान के साथ 18 प्रोत्साहन योजनाओं को मंजूरी दी गई। नीति का लक्ष्य 5 लाख करोड़ से अधिक निवेश आकर्षित करना और 10 लाख नए रोजगार सृजित करना है। प्रोत्साहन वितरण की प्रक्रिया ऑनलाइन और समयबद्ध होगी। एमएसएमई नीति में 60 पहलों के माध्यम से अगले पांच वर्षों में 55,000 करोड़ से अधिक निवेश, 5 लाख से अधिक रोजगार और निर्यात दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया है। एग्री-बिजनेस एंड फूड प्रोसेसिंग नीति का लक्ष्य 5,000 करोड़ से अधिक निजी निवेश और करीब 30,000 रोजगार सृजित करना है। मुख्यमंत्री ने स्थानीय युवाओं को कोशल विकास, इंटरनेशियल और अप्रेंटिसशिप से जोड़ने तथा किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने पर जोर दिया।



आर्थिक विकास की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। सम्मेलन में वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण गुप्ता, आबकारी एवं करधाना विभाग की

आयुक्त एवं सचिव आशिमा बराड़ और एसजेएचआईएसएम के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू सहित विशेषज्ञ एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

वित्तीय अनुशासन से पारदर्शी सेवा वितरण की ओर बढ़ता उत्तर प्रदेश



नौरज पाण्डेय
ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के अंतर्गत इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में वित्तीय अनुशासन से पारदर्शी सेवा वितरण की ओर विषय पर विशेष सत्र और ऋण वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने की। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास में

बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि पिछले सात वर्षों में प्रदेश का सकल राश घरेलू उत्पाद 12.75 लाख करोड़ से बढ़कर 20.35 लाख करोड़ हुआ है। प्रदेश का ऋण-जमा अनुपात भी लगभग 46 प्रतिशत से बढ़कर 61.39 प्रतिशत हो गया है। समारोह में विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत नोएडा क्षेत्र के लाभार्थियों को ऋण वितरित किए गए। वित्त मंत्री ने 25 लाभार्थियों को कुल

59.50 करोड़ के चेक प्रदान किए। बताया गया कि 1 अगस्त से 28 सितंबर 2026 तक गौतमबुद्धनगर में 11,250 करोड़ और पूरे प्रदेश में 59,500 करोड़ के ऋण वितरित किए गए। कार्यक्रम में डिजिटल वित्तीय सेवाओं, यूपीआई, नेट बैंकिंग, पेंशन सेवाओं के डिजिटलीकरण तथा साइबर धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी भी दी गई। विभिन्न बैंकों और विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

जीवन में पहले लगी सिर की चोट और बुढ़ापे में अल्जाइमर का खतरा क्या कोई संबंध है?

रेवाड़ी। सिर पर लगी चोट को अवसर लोग बीते समय की घटना मानकर भूल जाते हैं। लेकिन शोध से संकेत मिले हैं कि कुछ प्रकार की सिर की चोट, विशेष रूप से मध्यम या गंभीर चोट और बार-बार लगने वाली चोटें, आगे चलकर याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता में कमी तथा डिमेंशिया के बढ़े जोखिम से जुड़ी हो सकती हैं। हालांकि, सिर में चोट लगने वाले हर व्यक्ति को भविष्य में अल्जाइमर हो, ऐसा सिर नहीं है। टॉमेटिक ब्रेन इंजरी (टीबीआई) तब होती है



जब सिर पर चोट, झटका या किसी बाहरी बल के कारण मस्तिष्क के सामान्य कामकाज में बाधा आती है। चोट के बाद सिरदर्द, चक्कर, भ्रम, याददाश्त में परेशानी या कुछ समय के लिए बेहोशी जैसे लक्षण हो सकते हैं। कुछ मामलों में इसका प्रभाव लंबे समय तक भी रह सकता है।

मैक्स हॉस्पिटल, गुरुग्राम के न्यूरोसर्जरी विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर एवं यूनिट हेड डॉ. हिमांशु चोपानी ने बताया, हर सिर की चोट अल्जाइमर का खतरा नहीं बढ़ाती। एक बार लगी हल्की सिर की चोट का मालब यह नहीं है कि व्यक्ति को भविष्य में डिमेंशिया या अल्जाइमर होगा। उपलब्ध प्रमाणों में मध्यम और गंभीर मस्तिष्क चोटों का बाद में संज्ञानात्मक गिरावट से संबंध अधिक स्पष्ट है। बार-बार होने वाली हल्की सिर की चोटों को लेकर भी शोध जारी है। जीवन के शुरूआती वर्षों, बचपन या युवावस्था में लगी सिर की चोटों पर भी ध्यान देने की जरूरत है। कुछ शोधों के अनुसार, कम उम्र या वयस्क जीवन के शुरूआती अथवा मध्य वर्षों में लगी मस्तिष्क की चोट आगे चलकर डिमेंशिया के जोखिम से जुड़ी हो सकती है, खासकर जब चोटें बार-बार लगी हों या गंभीर रही हों। डॉ. हिमांशु ने कहा, यह कहना अधिक सही होगा कि कुछ प्रकार की सिर की चोटों अल्जाइमर या अन्य प्रकार के डिमेंशिया का जोखिम बढ़ा सकती हैं, न कि वे सीधे तौर पर अल्जाइमर का कारण बनती हैं। अल्जाइमर एक जटिल बीमारी है, जिसमें जैविक, आनुवंशिक और जीवनशैली से जुड़े कई कारकों की भूमिका होती है। सिर की चोट इनमें से एक संभावित जोखिम कारक हो सकती है। पुरानी सिर की चोट को बदला नहीं जा सकता, लेकिन भविष्य में होने वाली चोटों से मस्तिष्क की सुरक्षा की जा सकती है। ऐसी गतिविधियों में उचित हेलमेट पहनना चाहिए, वाहन में सीट बेल्ट का इस्तेमाल करना चाहिए और घर में गिरने के जोखिम को कम करना चाहिए। गंभीर सिर की चोट होने पर समय पर चिकित्सकीय सहायता लेना भी महत्वपूर्ण है।

हत्या की दोषी महिला 20 साल बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। आदर्श नगर में करीब 20 साल पहले एक बच्चे के कत्ल में शामिल रही महिला को क्राइम ब्रांच ने हरिद्वार से गिरफ्तार किया है। नगरदात के बाद महिला गिरफ्तार हुई थी। कोर्ट ने उसे उन्प्रेकट की सजा भी सुनाई थी। सजा के बाद जेल से पैरोल पर निकलने के बाद महिला फरार हो

गई थी। वह 2006 से पुलिस को चकमा देकर हरिद्वार में रह रही थी। उसने वहां अपनी पहचान बदलकर शादी भी कर ली थी। गिरफ्तार महिला की पहचान साधना उर्फ पूजा के रूप में हुई है। साधना के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद टीम ने हारिद्वार से उसे गिरफ्तार कर लिया।

सार समाचार

श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री स्कूल का किया दौरा, एजुकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर की सराहना की



नई दिल्ली। श्रीलंका के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा से दिल्ली भाजपा कार्यालय में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य पार्टी की कार्य शैली को देखना है। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत हर्ष मल्होत्रा ने किया। इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने एक स्कूल का दौरा कर जानकारी हासिल की। प्रतिनिधिमंडल में एम. टिलविन सिल्वा (महासचिव), चंद्रिका अधिकारी (केंद्रीय समिति सदस्य), अरुबकर अथांबावा (सांसद), कबिलन सुंदरमूर्ति (सदस्य, जाफना नगर परिषद) और बी.आर. के. मधुभाषिनी (समन्वयक सचिव, लीडर ऑफ द हाउस) शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा मंत्री आशीष सुद के साथ सरोजिनी नगर स्थित दिल्ली सरकार के स्कूल का दौरा किया, ताकि वहां के विकास और शिक्षा से जुड़ी सुविधाओं को देखा जा सके। प्रतिनिधिमंडल ने स्कूल के स्मार्ट क्लासरूम, स्मार्ट लाइब्रेरी और अन्य सुविधाओं का जायजा लिया और वहां मौजूद बुनियादी ढांचे की सराहना की। एमिडीया से बातचीत में आशीष सुद ने कहा, ह्वश्रीलंका सरकार की मुख्य एलायंस पार्टी जेवीपी के नेता की लीडरशिप में श्रीलंका सरकार का डेलीगेशन आया है। ये प्रतिनिधिमंडल देश के अलग-अलग हिस्सों में राजनीतिक सामाजिक विषयों को देखते हुए दौरा कर रहा है। श्रीलंका सरकार 2027 से अपनी नई शिक्षा नीति पर काम कर रही है। उन्होंने दिल्ली के शिक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलावों को देखने के लिए, समझने के लिए हमसे बात की थी। हम उनको यहां सीएम श्री स्कूल में लेकर आए हैं। आशीष सुद ने एक्स पर पोस्ट में कहा, सरोजिनी नगर स्थित मुख्यमंत्री श्री स्कूल में श्रीलंका से आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया। उन्होंने दिल्ली के एजुकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर, आधुनिक लर्निंग सुविधाओं और छात्रों के लिए बेहतर लर्निंग माहौल बनाने पर केंद्रित पहलों को देखा। उन्होंने कहा, ह्रइस दौरे में दिल्ली की ओर से क्वालिटी एजुकेशन, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और छात्र-केंद्रित लर्निंग को मजबूत करने के प्रयासों को दिखाया गया। साथ ही, यह भी प्रदर्शित किया गया कि कैसे बेहतर सुविधाएं, टेक्नोलॉजी-युक्त क्लासरूम और भविष्य के लिए तैयार करने वाला नजरिया छात्रों के सीखने, आगे बढ़ने और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए और अधिक अवसर पैदा कर सकता है।

आईआईटी दिल्ली और एसीएसआईआर के बीच रिसर्च के आदान-प्रदान के नए रास्ते खुले



नई दिल्ली। आईआईटी दिल्ली व एकेडमी ऑफ साइंटिफिक एंड इन्वेंटिव रिसर्च (एसीएसआईआर) ने शिक्षा एवं रिसर्च में सहयोग के लिए एक समझौता किया है। इस समझौते से दोनों शीर्ष भारतीय संस्थानों के छात्रों, रिसर्चर्स व शिक्षकों को एक-दूसरे की विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा। साथ ही दोनों संस्थान एक दूसरे की शोध सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। गौरतलब है कि एसीएसआईआर राष्ट्रीय महत्व वाला संस्थान है। समझौते के तहत पीजी के छात्र, शोधार्थी और शिक्षक दूसरे संस्थानों में शैक्षणिक और शोध कार्य के लिए जा सकेंगे। आईआईटी दिल्ली और एसीएसआईआर के छात्र संबंधित संस्थान में पाठ्यक्रम और शोध कार्य कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें मेजबान संस्थान में अलग से प्रवेश लेने या शिक्षण शुल्क देने की जरूरत नहीं होगी। आईआईटी दिल्ली के अनुसार इस सहयोग का दायरा केवल छात्र आदान-प्रदान तक सीमित नहीं रहेगा। आईआईटी दिल्ली के शिक्षक और वैज्ञानिक एवं एसीएसआईआर से जुड़े शोध संस्थानों के शिक्षक भी साझा रूचि वाले क्षेत्रों में मिलकर शोध कर सकेंगे। इनमें वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद से जुड़े शोध संस्थान भी शामिल हैं। आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर रंगन बनर्जी ने बताया कि यह सहयोग पारंपरिक छात्र और शिक्षक आदान-प्रदान से आगे जाने का अवसर है। इसका उद्देश्य शोधक्षेत्रों के बीच लगातार संवाद का मंच तैयार करना है। उन्होंने कहा कि आईआईटी दिल्ली और वैज्ञानिक एवं एसीएसआईआर की प्रयोगशालाओं की क्षमताओं और सुविधाओं को साथ लाकर छात्रों और शिक्षकों को नए शोध विचारों पर काम करने का अवसर मिलेगा।

विजय कुमार मल्होत्रा की प्रथम पुण्यतिथि पर हर्ष मल्होत्रा समेत भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापक सदस्य, दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ लोकप्रतिनिधि प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा की प्रथम पुण्यतिथि पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता जनगदीश मुखी, वेद व्यास महाजन, सुभाष आर्या, आदेश गुप्ता, सुभाष सवदेवा, डॉ. विजय जौली, कर्नल वी.के. ओबेरॉय सहित प्रदेश पदाधिकारी विष्णु मिश्रा, योगिता सिंह, विद्याक अनिल शर्मा, राजेश भाटिया, प्रदीप शंकर कपूर, कैलाश जैन, विजय सोलंकी, रंजीत कश्यप, ऋचा पांडेय, अभिषेक टंडन, मनोज कुमार, राज गौतम, अमित गुप्ता, संतोष पाल एवं सी.एल. मोहन सहित अन्य नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



संपादकीय

क्यों जरूरी था – अनप्लग इंडिया



अनिता यादव

प्रिय पाठकों,

हर दौर की पत्रकारिता के सामने कुछ सवाल खड़े होते हैं। सवाल यह नहीं कि खबरें कितनी हैं, बल्कि यह है कि खबरों के बीच सच कितना है?

आज हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जब सूचना हमारे चारों ओर है। मोबाइल की स्क्रीन खोलते ही खबरों की बाढ़ आ जाती है। सोशल मीडिया पर हर मिनट कुछ नया सामने आता है। हर घटना कुछ ही क्षणों में वायरल हो जाती है। लेकिन इस तेज रफ्तार में एक चीज लगातार पीछे छूटती जा रही है—खबर को समझने का समय और अवसर।

इसी जरूरत से जन्म हुआ है—अनप्लग इंडिया का।

अनप्लग इंडिया का मतलब क्या है?

“*Unplug*” का सामान्य अर्थ है—किसी चीज से थोड़ी देर के लिए अलग होना। लेकिन हमारे लिए अनप्लग का अर्थ खबरों से दूर होना नहीं है। इसका अर्थ है—सूचनाओं के शोर से थोड़ा अलग होकर खबर को समझना, सवाल करना और उसके पीछे छिपे सच तक पहुंचने की कोशिश करना।

अनप्लग इंडिया यानी—शोर से अलग, सवालों के करीब।

क्यों हुई अनप्लग इंडिया की स्थापना?

इस अखबार की स्थापना के पीछे सबसे बड़ा उद्देश्य खबरों की भीड़ में पाठक को विश्वसनीय, तथ्यपरक और संदर्भपूर्ण पत्रकारिता उपलब्ध कराना है। आज समस्या यह नहीं है कि लोगों तक खबरें नहीं पहुंच रहीं। समस्या यह है कि एक ही घटना के बारे में इतनी अलग-अलग सूचनाएं और दावे सामने आते हैं कि आम पाठक के लिए यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि तथ्य क्या है, दावा क्या है और राय क्या है।

अनप्लग इंडिया इसी अंतर को कम करने की कोशिश है।

हमारा उद्देश्य केवल खबर पहुंचाना नहीं, बल्कि खबर की तह तक पहुंचना है।

हम पृष्ठों—

क्या हुआ?

क्यों हुआ?

इसके पीछे कौन-से तथ्य हैं?

इसका असर किस पर पड़ेगा?

और जो बताया जा रहा है, उसमें कितना सच है?

हम मानते हैं कि लोकतंत्र में जागरूक नागरिक के लिए सूचना जरूरी है, लेकिन सही सूचना उससे भी ज्यादा जरूरी है।

पत्रकारिता को शोर नहीं, भरोसा बनाना होगा

आज समाचार माध्यमों के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है—तेजी और विश्वसनीयता के बीच संतुलन।

हर खबर सबसे पहले देने की होड़ में कई बार संदर्भ पीछे छूट जाता है। सुखियां खबर से बड़ी हो जाती हैं और बहस तथ्य से आगे निकल जाती है।

अनप्लग इंडिया का उद्देश्य इस दौड़ से अलग एक ऐसा मंच तैयार करना है जहां खबर की गति से ज्यादा उसकी विश्वसनीयता महत्वपूर्ण हो।

हम सनसनी पैदा करने के बजाय सवाल उठाना चाहेंगे।

हम अफवाहों को खबर का रूप देने के बजाय उनको पड़ताल करना चाहेंगे।

हम केवल बयान प्रकाशित करने के बजाय उसके तथ्य और संदर्भ को भी सामने रखना चाहेंगे।

और जहां किसी मुद्दे पर मतभेद होंगे, वहां पाठक को अलग-अलग पक्षों को समझने का अवसर दिया जाएगा।

क्योंकि हमारा उद्देश्य पाठक को किसी निष्कर्ष तक पहुंचाना नहीं, बल्कि उसे अपना निष्कर्ष निकालने के लिए पर्याप्त तथ्य देना है।

स्थानीय भारत को राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाना

अनप्लग इंडिया की स्थापना का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य यह भी है कि भारत की कहानी केवल बड़े शहरों और बड़ी सुखियों तक सीमित न रहे।

किसी गांव की सड़क, किसी छोटे शहर का अस्पताल, किसी युवा का रोजगार, किसी किसान की समस्या, किसी छोटे व्यापारी की चुनौती या किसी स्थानीय प्रशासनिक निर्णय का प्रभाव—ये सभी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितनी राष्ट्रीय स्तर की बड़ी खबरें।

हम स्थानीय मुद्दों को केवल स्थानीय खबर मानकर छोड़ना नहीं चाहते।

क्योंकि कई बार स्थानीय समस्या ही राष्ट्रीय तस्वीर का छोटा लेकिन महत्वपूर्ण हिस्सा होती है।

नई पीढ़ी और नई पत्रकारिता के बीच पुल

अनप्लग इंडिया का एक उद्देश्य यह भी है कि पारंपरिक पत्रकारिता की विश्वसनीयता और डिजिटल युग की गति एवं पहुंच के बीच एक बेहतर पुल बनाया जाए।

हम प्रिंट की गंभीरता को डिजिटल माध्यमों की सहजता के साथ जोड़ने का प्रयास करेंगे।

लंबी रिपोर्ट हो या छोटी खबर, जमीनी पड़ताल हो या किसी बड़े मुद्दे का विश्लेषण—हम कोशिश करेंगे कि भाषा सरल हो, तथ्य स्पष्ट हों और पाठक को अनावश्यक शोर से बचाते हुए मुद्दे की वास्तविक तस्वीर दिखाई जाए।

इस पहल के पीछेरिंकू यादव की पत्रकारिता यात्रा

अनप्लग इंडिया के संस्थापक रिंकू यादव ने वर्ष 2000 में नोएडा से दैनिक अथाह समाचार पत्र के साथ पत्रकारिता की शुरुआत की। इसके बाद शाह टाइम्स और पब्लिक एशिया के बाद टाइम्स ऑफ इंडिया दैनिक भास्कर और हिंदी पयनियर जैसे समाचार संस्थानों में काम करते हुए उन्होंने पत्रकारिता के बदलते स्वरूप को करीब से देखा।

प्रिंट से टेलीविजन और फिर डिजिटल तथा सोशल मीडिया तक पत्रकारिता के इस परिवर्तन ने समाचारों के सामने नई संभावनाएं तो पैदा कीं, लेकिन नई चुनौतियां भी खड़ी कीं।

इसी लंबे अनभव से निकला एक सवाल **अनप्लग इंडिया** की स्थापना की प्रेरणा बना—

जब सूचनाएं पहले से कहीं ज्यादा हैं, तो क्या पाठक को ऐसी पत्रकारिता की जरूरत नहीं है जो उसे सूचना के साथ उसका संदर्भ और सत्यापन भी दे?

अनप्लग इंडिया उसी सवाल का एक प्रयास है।

हमारा संकल्प

हम यह दावा नहीं करते कि हमारे पास हर सवाल का जवाब होगा। लेकिन हमारा प्रयास होगा कि हर जरूरी सवाल पूछा जाए। हम यह दावा नहीं करते कि हम कभी गलती नहीं करेंगे। लेकिन हमारी कोशिश होगी कि गलती होने पर उसे स्वीकारने और सुधारने का साहस ही। हम किसी व्यक्ति, संस्था, विचार या सत्ता के पक्ष में खड़े होने के लिए नहीं आए हैं। हमारा पक्ष है—तथ्य का। सवाल का। पाठक के अधिकार का। और ऐसी पत्रकारिता का, जिस पर भरोसा किया जा सके। **अनप्लग इंडिया** की स्थापना का असली उद्देश्य इसी भरोसे को मजबूत करना है।

क्योंकि हमारा मानना ​​है—

लोकतंत्र में शोर बहुत हो सकता है, लेकिन सच को सुनने के लिए जगह हमेशा बची रहनी चाहिए।

और वही जगह बनाने की एक कोशिश है—

अनप्लग इंडिया

शोर से अलग।

सवालों के करीब।

तथ्यों के साथ।

और सच की तलाश में।

शेयर बाजार में गिरावट - क्या राजनीति भी बाजार को प्रभावित करती है?

—सौरभ वाघेय

शेयर बाजार को अक्सर अर्थव्यवस्था की सेहत का आईना कहा जाता है। लेकिन बाजार केवल आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के प्रदर्शन और वैश्विक परिस्थितियों से ही प्रभावित नहीं होता। राजनीतिक स्थिरता, चुनावी परिणाम, सरकार की नीतियां, अंतरराष्ट्रीय संबंध और राजनीतिक नेतृत्व के सार्वजनिक बयान भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान शेयर बाजार को लेकर दिए गए राजनीतिक विचार या कि आखिर राजनीति और शेयर बाजार के बीच संबंध की सीमा क्या होगी चाहिए?

2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा शेयर बाजार की संभावित दिशा को लेकर की गई टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस नेता और तत्कालीन लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने गंभीर सवाल उठाए थे। राहुल गांधी ने इस पूरे घटनाक्रम की संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी से जांच की मांग की थी। उनका आरोप था कि चुनाव परिणाम से पहले निवेशकों के बीच बाजार में तेजी की उम्मीद पैदा की गई और चुनाव परिणाम के शुरुआती रझाओं के बाद बाजार में अचानक बड़ी गिरावट देखने को मिली। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 19 और 28 मई को दिए गए उन बयानों का हवाला दिया था, जिनमें शेयर बाजार के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की संभावना का उल्लेख किया गया था। इसी तरह उन्होंने अमित शाह के 13 मई के एक साक्षात्कार का भी उल्लेख किया, जिसमें निवेशकों से चार जून से पहले शेयर बिक्री, जिसमें चुनाव परिणाम के बाद बाजार में तेजी की संभावना से संबंधित टिप्पणी का हवाला दिया गया था। इसके बाद घटनाक्रम ने राजनीतिक विवाद को और

बढ़ा दिया। एक जून को लोकसभा चुनाव के एग्जिट पोल सामने आए। अधिकांश प्रमुख एग्जिट पोल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले गठबंधन की बड़ी जीत का अनुमान व्यक्त किया गया। इसके अगले कारोबारी दिन, तीन जून को शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी दिखाई दी और सेंसेक्स तथा निफ्टी ने रिकॉर्ड स्तर बनाए। बाजार की इस तेजी को व्यापक रूप से एग्जिट पोल से बनी निवेशकों की सकारात्मक धारणा से जोड़ा गया। लेकिन चार जून को तस्वीर अचानक बदल गई। वास्तविक चुनाव परिणामों के शुरुआती रझाओं में एग्जिट पोल के अनुमानों से अलग राजनीतिक स्थिति उभरने लगी। बाजार में इसका तत्काल असर दिखाई दिया और सेंसेक्स तथा निफ्टी में भारी गिरावट दर्ज हुई। एक ही कारोबारी सत्र में बाजार में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट ने निवेशकों के बीच चिंता पैदा कर दी। चुनावी अनिश्चितता और सरकार के संभावित स्वरूप को लेकर बदलती अपेक्षाओं को बाजार की प्रतिक्रिया के प्रमुख कारणों में गिना गया। यहीं राजनीतिक सवाल भी खड़े हुए। राहुल गांधी ने पूछा कि यदि राजनीतिक नेतृत्व के बयानों से निवेशकों की धारणा प्रभावित हो सकती है तो ऐसे बयानों की ज़िम्मेदारी और पारदर्शिता को लेकर स्पष्ट व्यवस्था क्यों नहीं होगी चाहिए? उन्होंने एग्जिट पोल के आसपास बड़े निवेशकों की गतिविधियों की जांच की मांग भी की। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री द्वारा शेयर बाजार को लेकर दिए गए बयानों, संबंधित मीडिया साक्षात्कारों और बाजार की गतिविधियों के बीच संभावित संबंधों की जांच की आवश्यकता जताई। हालांकि, इन आरोपों को भाजपा ने खारिज किया था। तत्कालीन केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा था कि बाजार के कुल बाजार पूंजीकरण में बदलाव को सीधे निवेशकों के वास्तविक नुकसान के रूप में प्रस्तुत करना सही नहीं है। भाजपा की ओर से यह तर्क भी दिया



गया कि बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया है और बाद की बाजार गतिविधियों को केवल चुनाव परिणाम से जोड़कर देखना उचित नहीं होगा। इस पूरी विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यही है कि बाजार में गिरावट अपने आप में किसी राजनीतिक या वित्तीय अनियमितता का प्रमाण नहीं होती। शेयर बाजार में कीमतें अपेक्षाओं, जोखिम, मांग-आपूर्ति, वैश्विक बाजारों, विदेशी निवेश, व्याज दरों, आर्थिक आंकड़ों और राजनीतिक घटनाक्रम सहित अनेक कारकों से प्रभावित होती हैं। चुनाव परिणाम जैसी बड़ी घटना निश्चित रूप से निवेशकों की अपेक्षाओं को बदल सकती है। लेकिन दूसरी ओर यह प्रश्न भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है कि जब देश के शीर्ष राजनीतिक पदों पर बैठे लोग किसी संवेदनशील वित्तीय बाजार की दिशा को लेकर सार्वजनिक टिप्पणी करते हैं, तो क्या ऐसी टिप्पणियों के प्रभाव और उनके संदर्भ की स्वतंत्र जांच होगी चाहिए? इसका उत्तर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि प्रमाण, बाजार के आंकड़ों और नियामकीय जांच से मिलना चाहिए। विशेष रूप से यह देखा जाना चाहिए कि

धांधली का है और इस प्रक्रिया पर सवाल उठाने वाले केवल राहुल गांधी या विपक्षी दल व नेता ही नहीं बल्कि कई पूर्व चुनाव आयुक्त व नौकर-शाह भी हैं। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों और पूर्व केंद्रीय गृह सचिव व केंद्रीय मंत्री तथा भाजपा के ही नेता आर.के. सिंह जैसे वरिष्ठ अधिकारियों और अनेक पूर्व संवैधानिक पदाधिकारियों ने भी चुनाव आयोग की विशेष महत्व पुनरीक्षण प्रक्रिया को मनमाना, वैयक्तिक और कानूनी प्रावधानों के विरुद्ध कार दिया है। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस. वाई.कुरेशी ने कहा कि वे शुरूआत से ही एसआईआर प्रक्रिया के आलोचक रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल के दौरान चुनाव आयोग के काम करने का तरीका बेहद मनमाना रहा है।

इसी तरह पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने भी कहा कि एसआईआर प्रक्रिया अनावश्यक है और इसके संचालन में आयोग द्वारा अपनाई गई पूरी कार्यप्रणाली तथा पद्धति दोषपूर्ण हैं। लवासा ने कहा कि चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर उठा यह विवाद काफी अग्रिम है और इससे लोकतांत्रिक संस्था की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व गृह सचिव आर.के. सिंह ने तो एक खुला पर जारी करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर एसआईआर अभियान के दौरान कानून का उल्लंघन कहने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे मतदाता सूचियों से वैध मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर कटे हैं। आर.के. सिंह ने आरोप लगाया कि देशभर में एसआईआर लागू करने का फैसला जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 के विपरीत था। क्योंकि कानून में विशेष परिस्थितियों में केवल किसी विशेष

संकेत के रूप में देख सकते हैं। ऐसे में सार्वजनिक पदों पर बैठे लोगों द्वारा बाजार की दिशा को लेकर की गई टिप्पणियों में अतिरिक्त सावधानी और तथ्यात्मक आधार आवश्यक है। लोकतंत्र में विपक्ष का सवाल पूछना उतना ही जरूरी है जितना सरकार का जवाब देना। लेकिन गंभीर आरोपों का अंतिम समाधान राजनीतिक मंच पर नहीं, बल्कि स्वतंत्र और विश्वसनीय तथ्यों से होना चाहिए। यदि किसी मामले में संदेह है तो जांच एजेंसियां और नियामक संस्थाएं उपलब्ध आंकड़ों की जांच करें और निष्कर्ष सार्वजनिक करें। शेयर बाजार को राजनीति से पूरी तरह अलग करना संभव नहीं है, क्योंकि सरकार की आर्थिक नीतियां, बजट, कर व्यवस्था, विनिवेश, नियमन और अंतरराष्ट्रीय समझौते सीधे कंपनियों और निवेशकों को प्रभावित करते हैं। लेकिन राजनीतिक बयान और बाजार संकेत के बीच एक जिम्मेदार दूरी बनाए रखना लोकतांत्रिक और वित्तीय दोनों दृष्टियों से आवश्यक है। 2024 का चुनावी घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने एक बुनियादी सवाल सामने रखा, क्या राजनीतिक बयान बाजार की दिशा बदल सकते हैं और यदि हां, तो उनकी जवाबदेही कितनी होगी चाहिए? इसका उत्तर किसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण बात समझना जरूरी है। शेयर बाजार का कुल बाजार पूंजीकरण घटने का अर्थ यह नहीं होता कि उतनी ही राशि प्रत्येक निवेशक की जेब से निकल गई। बाजार पूंजीकरण बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के मूल्य के आधार पर बदलता है। इसलिए किसी एक दिन के बाजार पूंजीकरण में बड़ी गिरावट को सीधे वास्तविक निवेशक नुकसान के बराबर मानना आर्थिक रूप से पूरी तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता। फिर भी राजनीतिक नेतृत्व को शेयर बाजार के प्रति अपनी सार्वजनिक जिम्मेदारी को गंभीरता से लेना चाहिए। करोड़ों छोटे निवेशक राजनीतिक नेताओं के वक्तव्यों को बाजार

निर्वाचन क्षेत्र या उसके हिस्से में ही एसआईआर विशेष पुनरीक्षण की अनुमति है, न कि पूरे देश में। सिंह ने कहा कि धारा 21 के तहत पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने और उससे जुड़ी सभी अपीलों के निपटारे तक पुरानी मतदाता सूची प्रभाव रहती है। इसके बावजूद, अपीलों के लंबित रहने के दौरान संशोधित मतदाता सूची का इस्तेमाल चुनावों में किया गया, जो कि अवैध था। सिंह का आरोप है कि 2003 के जोड़ गए मतदाताओं के नाम बिना जांच, बिना नोटिस और बिना सुनवाई के हटाए गए। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि चुनाव आयोग ने सबूत का भार मतदाताओं पर डाल दिया, जबकि कानून के अनुसार नाम हटाने का आधार साबित करने की जिम्मेदारी प्रशासन की होती है। सिंह के अनुसार एसआईआर या विशेष पुनरीक्षण ने अब तक 13 करोड़ नाम हटाए हैं। यह वोट्स का 13% है, और एसआईआर अभी खत्म नहीं हुआ है। 2024 के चुनावों में एन डीए और इण्डिया गठबंधन के बीच सिर्फ 3.3% का अंतर था। इसलिए नामों को हटाने का चुनावों पर काफी असर पड़ा है और पड़ेगा। सिंह ने साफ कहा कि सत्यापन से पहले मतदाताओं के नाम हटाना एक गंभीर अपराध है, और ज्ञानेश कुमार इस अपराध के दोषी हैं। पिछले दिनों राहुल गांधी ने दिल्ली में यमुना किनारे बेला एस्टेट में लोगों से मिले। वहीं 728 लोगों में 727 लोगों के नाम कट दिए गए हैं। लेकिन इससे यह स्पष्ट नहीं रह रहा है। सिंह के अनुसार एसआईआर और 2025 के दिल्ली चुनावों में यह लोग वोट भी डाल चुके हैं। वोट चोरी से बनी सत्ता ज्ञानेश कुमार का बचाव करने की चाहें जितनी कोशिश करें परन्तु सच्चाई तो यही है कि आजकल भारत के इतिहास में ज्ञानेश काल में यह चुनाव आयोग का निकृष्टतम दौर है।

—निर्मल रानी

1990-1996 के दौर में भारत के 10 वें मुख्य चुनाव आयुक्त थे टी.एन. शेपन। इनकी छवि भारतीय इतिहास में एक निडर, कड़क और क्रांतिकारी सुधारक की थी। शेपन ने भारतीय चुनाव प्रणाली की पूरी सूरत बदल दी और राजनेताओं के मन में कानून का खोफ पैदा किया। उनके दौर में एक कहावत घटलाल थी कि नेता केवल दो ही लोग से डरते हैं। एक तो ईश्वर से दूसरे टी.एन. शेपन से। शेपन ने संविधान के अनुच्छेद 324 को ताकत को पहचाना और साबित किया कि चुनाव आयोग भारत सरकार का नहीं, बल्कि भारत का होता है। उन्होंने आयोग को एक पूर्णतः स्वतंत्र और शक्तिशाली स्वायत्त निकाय बनाया और आदर्श आचार संहिता को अंकड़ से लागू करते हुये कई भावशाली मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों तक के प्रचार पर रोक लगा दी और कई दंड दिए। शेपन ने वृष के च्चरित्र, जाली वोटिंग, दिवंगरों पर जबरन पोस्टर प्रिफकाना और लाउडस्पीकरों का बेधड़क इस्तेमाल आदि पर सख्ती से चिन्तबंध लगाया। उन्होंने चुनाव प्रचार के लिए उभरे 1996 में रमन मैसैसे पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया परन्तु दुःखद है कि वही चुनाव आयोग आज के दौर का सबसे निकृष्ट, भ्रष्ट और सत्ता के चापलूस व कटपुतली आयोग के रूप में देश व दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है। आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने

की सम्प्रमाण दर्जनों शिकायत के बावजूद आयोग के कानों पर जूँ क नहीं रेंगती। असली मतदाताओं के नाम कटे जाने व फर्जी मतदाताओं के नाम जोड़ने की अगमिनत शिकायतें होती रहती हैं। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गाँधी ने मतदाता सूची में गड़बड़ी, फर्जी मतदान और वोट चोरी के आरोपों को लेकर तीन बार पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन दिया और दोस दसवर्षों के साथ देश के सामने सबूत पेश किए। परन्तु हर बार एक तरफ तो चुनाव आयोग द्वारा या तो आरोपों से इंकार किया गया या लोपापोती करने वाले जवाब दिए गये। हैरत की बात तो यह है कि जब जब चुनाव आयोग कि नीयत व उसकी कार्यशैली पर उँगली उठती चुनाव आयोग के पक्ष में सत्ता के नेता या भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता मुचां संपाल लेते। पिछले दिनों जब राहुल गांधी द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी, मैच-फिक्सिंग और देशद्रोही जैसे गंभीर आरोप लगाये गये और उन्हें सरकारी गवाह बनने की सलाह दी गयी, इससे तिलमिलाने भाजपा प्रवक्ताओं ने राहुल गांधी को लेकर कहा कि राहुल गांधी का राजनीतिक ज्ञान अलंभ शून्यहू है और उन्हें भारत की राजनीति का मूलभूत ज्ञान ही नहीं है।

भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी में समझ और ज्ञान की कमी है, वे असलियत को समझ नहीं पाते हैं और उनका विवेक पूरी तरह शून्य है। भाजपा प्रवक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस सत्ता पाने के लिए छटपटा रही है और अपनी चुनावी हार का ठीकरा फोड़ने के लिए देश की संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश कर रही है परन्तु इस बार मामला चुनाव आयोग द्वारा चलायी गयी एसआईआर अर्थात विशेष मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया में की जा रही घोर

पितृपक्ष का अंतिम सत्य – जड़ों से जुड़ने का वह पर्व

जहाँ स्मृति, श्रद्धा और सामाजिक उत्तरदायित्व मिलते हैं

डॉ0 दीपक गोस्वामी



पितृपक्ष को केवल

कर्मकांड कह देना उतना ही अधूरा है, जितना उल्हके के उत्पन्न विधान को आधुनिक विज्ञान की प्रयोगशाला में सिद्ध करने की जिद करना। भारतीय परंपरा की असली शक्ति शावदइन दोनों अतिथों के बीच छिपी है। यहाँ मनुष्य

अपने मृत पूर्वजों को केवल याद नहीं करता, वह स्वयं से पूछता है—मैं कहाँ से आया हूँ, मुझ तक क्या पहुँचा और मेरे बाद क्या पहुँचेगा? यही प्रश्न पितृपक्ष को मृत्यु का पर्व नहीं, स्मृति और उत्तरदायित्व का पर्व बना देता है।श्राद्ध शब्द की व्युत्पत्ति श्रद्ध से जुड़ी है। मनुस्मृति, धर्मसूत्रों, पुराणों और श्राद्ध-विधि संबंधी परंपराओं में पितरों के प्रति श्रद्धा, तर्पण, अन्नदान और स्मरण की रीति परंपरा दिखाई देती है। इसलिए श्राद्ध का मूल भाव भय नहीं, श्रद्धा है; प्रदर्शन नहीं, कृतज्ञता है; केवल अतीत की वही, पीढ़ियों के बीच संबंध है हमारे समय की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि मनुष्य अपने भविष्य की जिता में इतना डूब गया है कि उसे अपने अतीत के प्रति कृतज्ञ होने का समय नहीं बचा। पितृपक्ष वर्ष में एक बार उसे रोककर कहता है—जिस जमीन पर तुम खड़े हो, वह कैसे तुम्हारी बनाई हुई नहीं है तुम्हारी भाषा किसी ने तुम्हें दी, तुम्हारा नाम किसी ने रखा, तुम्हारी स्मृतियों में किसी का बचपन जीवित है, तुम्हारे घर की परंपराएँ किसी ने संभालीं, तुम्हारे शरीर में पीढ़ियों से चली आ रही

आनुवंशिक विरासत है और तुम्हारे संस्कारों में परिवार, समाज तथा परिवेश को अर्पित करने परतें। मनुष्य अकेला निर्मित प्राणी नहीं है; वह पीढ़ियों की निरंतरता है।आधुनिक आनुवंशिकी यह स्पष्ट करती है कि हमारी जैविक विरासत माता-पिता से प्राप्त जीनों के माध्यम से आगे बढ़ती है। साथ ही, जीवन-परिस्थितियाँ, पोषण, तनाव और परिवेश हमारे शरीर तथा व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ अध्ययनों ने पीढ़ियों के बीच

जैविक प्रभावों की संभावनाओं पर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए हैं, लेकिन इसे इस तरह सूर में बदल देना कि पूर्वजों के भय या संस्कार सीधे हृद्गत पीढ़ियों के डीएनएहू में लिखे रहते हैं, वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं है। यहाँ भारतीय चिंतन की एक दूसरी गहराई सामने आती है।

पूर्वज केवल एक में नहीं होते; वे स्मृति में भी होते हैं। किसी दादा की कही हुई बात, किसी दादी का संस्कार की भूल और किसी पुरानी पारिवारिक पीड़ा—ये सब अगली पीढ़ियों के व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। आधुनिक मनोविज्ञान परिवार में चलने वाले व्यवहार-पैटर्न, संबंधों और आघात के पीढ़ीगत प्रभावों का अध्ययन करता है। परंपरा ने इसे अपने पुराने से स्मृति और पितृकृष्ण की भाषा में समझाया इसलिए पितृपक्ष, यदि हम आत्मचर्चन का अवसर बनाते हैं तो उसकी सार्थकता और बढ़ जाती है।

तर्पण में जल है।

जल केवल पदार्थ नहीं; भारतीय संस्कृति में वह जीवन, प्रवाह और समर्पण का प्रतीक भी है। हाथ से जल नहीं, श्रद्धा है; प्रदर्शन नहीं, कृतज्ञता है; केवल अतीत की वही, पीढ़ियों के बीच संबंध है हमारे समय की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि मनुष्य अपने भविष्य की जिता में इतना डूब गया है कि उसे अपने अतीत के प्रति कृतज्ञ होने का समय नहीं बचा। पितृपक्ष वर्ष में एक बार उसे रोककर कहता है—जिस जमीन पर तुम खड़े हो, वह कैसे तुम्हारी बनाई हुई नहीं है तुम्हारी भाषा किसी ने तुम्हें दी, तुम्हारा नाम किसी ने रखा, तुम्हारी स्मृतियों में किसी का बचपन जीवित है, तुम्हारे घर की परंपराएँ किसी ने संभालीं, तुम्हारे शरीर में पीढ़ियों से चली आ रही

आनुवंशिक विरासत है और तुम्हारे संस्कारों में परिवार, समाज तथा परिवेश को अर्पित करने परतें। मनुष्य अकेला निर्मित प्राणी नहीं है; वह पीढ़ियों की निरंतरता है।आधुनिक आनुवंशिकी यह स्पष्ट करती है कि हमारी जैविक विरासत माता-पिता से प्राप्त जीनों के माध्यम से आगे बढ़ती है। साथ ही, जीवन-परिस्थितियाँ, पोषण, तनाव और परिवेश हमारे शरीर तथा व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ अध्ययनों ने पीढ़ियों के बीच

जैविक प्रभावों की संभावनाओं पर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए हैं, लेकिन इसे इस तरह सूर में बदल देना कि पूर्वजों के भय या संस्कार सीधे हृद्गत पीढ़ियों के डीएनएहू में लिखे रहते हैं, वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं है। यहाँ भारतीय चिंतन की एक दूसरी गहराई सामने आती है। पूर्वज केवल एक में नहीं होते; वे स्मृति में भी होते हैं। किसी दादा की कही हुई बात, किसी दादी का संस्कार की भूल और किसी पुरानी पारिवारिक पीड़ा—ये सब अगली पीढ़ियों के व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। आधुनिक मनोविज्ञान परिवार में चलने वाले व्यवहार-पैटर्न, संबंधों और आघात के पीढ़ीगत प्रभावों का अध्ययन करता है। परंपरा ने इसे अपने पुराने से स्मृति और पितृकृष्ण की भाषा में समझाया इसलिए पितृपक्ष, यदि हम आत्मचर्चन का अवसर बनाते हैं तो उसकी सार्थकता और बढ़ जाती है।

तर्पण में जल है।

जल केवल पदार्थ नहीं; भारतीय संस्कृति में वह जीवन, प्रवाह और समर्पण का प्रतीक भी है। हाथ से जल नहीं, श्रद्धा है; प्रदर्शन नहीं, कृतज्ञता है; केवल अतीत की वही, पीढ़ियों के बीच संबंध है हमारे समय की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि मनुष्य अपने भविष्य की जिता में इतना डूब गया है कि उसे अपने अतीत के प्रति कृतज्ञ होने का समय नहीं बचा। पितृपक्ष वर्ष में एक बार उसे रोककर कहता है—जिस जमीन पर तुम खड़े हो, वह कैसे तुम्हारी बनाई हुई नहीं है तुम्हारी भाषा किसी ने तुम्हें दी, तुम्हारा नाम किसी ने रखा, तुम्हारी स्मृतियों में किसी का बचपन जीवित है, तुम्हारे घर की परंपराएँ किसी ने संभालीं, तुम्हारे शरीर में पीढ़ियों से चली आ रही

आनुवंशिक विरासत है और तुम्हारे संस्कारों में परिवार, समाज तथा परिवेश को अर्पित करने परतें। मनुष्य अकेला निर्मित प्राणी नहीं है; वह पीढ़ियों की निरंतरता है।आधुनिक आनुवंशिकी यह स्पष्ट करती है कि हमारी जैविक विरासत माता-पिता से प्राप्त जीनों के माध्यम से आगे बढ़ती है। साथ ही, जीवन-परिस्थितियाँ, पोषण, तनाव और परिवेश हमारे शरीर तथा व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ अध्ययनों ने पीढ़ियों के बीच

जैविक प्रभावों की संभावनाओं पर महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए हैं, लेकिन इसे इस तरह सूर में बदल देना कि पूर्वजों के भय या संस्कार सीधे हृद्गत पीढ़ियों के डीएनएहू में लिखे रहते हैं, वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं है। यहाँ भारतीय चिंतन की एक दूसरी गहराई सामने आती है। पूर्वज केवल एक में नहीं होते; वे स्मृति में भी होते हैं। किसी दादा की कही हुई बात, किसी दादी का संस्कार की भूल और किसी पुरानी पारिवारिक पीड़ा—ये सब अगली पीढ़ियों के व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। आधुनिक मनोविज्ञान परिवार में चलने वाले व्यवहार-पैटर्न, संबंधों और आघात के पीढ़ीगत प्रभावों का अध्ययन करता है। परंपरा ने इसे अपने पुराने से स्मृति और पितृकृष्ण की भाषा में समझाया इसलिए पितृपक्ष, यदि हम आत्मचर्चन का अवसर बनाते हैं तो उसकी सार्थकता और बढ़ जाती है।

तर्पण में जल है।

जल केवल पदार्थ नहीं; भारतीय संस्कृति में वह जीवन, प्रवाह और समर्पण का प्रतीक भी है। हाथ से जल नहीं, श्रद्धा है; प्रदर्शन नहीं, कृतज्ञता है; केवल अतीत की वही, पीढ़ियों के बीच संबंध है हमारे समय की सबसे बड़ी विडम्बना यह है कि मनुष्य अपने भविष्य की जिता में इतना डूब गया है कि उसे अपने अतीत के प्रति कृतज्ञ होने का समय नहीं बचा। पितृपक्ष वर्ष में एक बार उसे रोककर कहता है—जिस जमीन पर तुम खड़े

युवा महोत्सव की तैयारी शुरु

लखनऊ। विकसित भारत रंग लीडर डायलॉग-2026 के तहत 13 और 14 अक्तूबर को जनपद स्तरीय युवा महोत्सव होगा। यह आयोजन युवा कल्याण व प्रांतीय स्थाक दल विभाग की ओर से गोजनतीनगर के लखनऊ पब्लिक कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में किया जाएगा। इसमें 15 से 29 वर्ष तक के युवा अपनी प्रतिभा दिखा सकेंगे। जिला युवा कल्याण व प्रांतीय विकास दल अधिकारी अनिल कुमार तिवारी ने प्रतियोगिताओं की जानकारी दी। उत्सव में लोकनृत्य समूह, लोकगीत समूह, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला और कविता लेखन प्रतियोगिताएं होगी। नुक्कड़ नाटक में अधिकतम 10 प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे। इसमें लखनऊ निवासी या अध्ययनरत प्रतिभागी ही हिस्सा ले सकेंगे। एक प्रतिभागी केवल एक विधा में भाग्य लेना घर्टल पर पंजीकरण कर सकता है। जिला स्तर के विजेता नवंबर में राज्य स्तरीय युवा उत्सव में शामिल होंगे। राज्य स्तर के विजेताओं को 12 जनवरी 2027 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री से संवाद का अवसर मिलेगा।।

सतर्कता और उत्कृष्ट संरक्षा कार्य के लिए शहर के छह रेलकर्मी सम्मानित

कानपुर, एजेंसी। रेल परिचालन में सतर्कता और उत्कृष्ट संरक्षा कार्य के लिए परागनाज मंडल के 20 रेल कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इनमें कानपुर से जुड़े छह रेलकर्मी शामिल हैं। मंडल रेल प्रबंधक रजनीनी अग्रवाल ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सम्मान में कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। सम्मानित होने वाले नें लोको पायलट सौरभ चंद्र शुक्ला, छवि लाल कुंवर, गुड्डे देन नैनेजर न्यू कानपुर नैना कलीजिया, सहायक लोको पायलट कानल कुमारी, प्रदेश मीना, सहायक लोको पायलट कानपुर न्यू मनीष कुमार शामिल हैं। डीआरएम ने कर्मचारियों के कार्य की सरहना करते हुए कहा कि उनकी सतर्कता और जिम्मेदारी से अत्य रेलकर्मियों को भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने सुरक्षित रेल परिचालन को सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बताया।

पुराने पेंशनर्स को आठवें वेतन आयोग में करें शामिल

कानपुर, एजेंसी। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से पेंशनरों ने मंगलवार को जिलाधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन कर आठवें वेतन आयोग में शामिल किए जाने की मांग की। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित 12 सूत्री मांगों का ज्ञापन रीषा। एसोसिएशन के अध्यक्ष बीएल गुलाबिया ने बताया कि सरकार वित्त विधेयक अधिनियम-2025 लाकर पुराने पेंशनरों को आठवें वेतन आयोग के लाभों से वंचित करना चाहती है। पुराने पेंशनरों को आठवें वेतन आयोग में शामिल करने, वरिष्ठ नागरिक आयोग के गठन, रेल किराये में छूट और दान दयाल आस्थास्य कैशलेस योजना का लाभ देने की मांगें हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कुमार मिश्रा, आरपी श्रीवास्तव, बंने लाल कुर्यावह, चंद हंस सिंह चौहान, सरदार इंद्रजीत सिंह शिाल आदि मौजूद रहे।

सिंहवाहिनी चौक से आजाद चौक तक बनेगी स्मार्ट रोड

गोरखपुर , एजेंसी। सिंहवाहिनी चौक से आजाद चौक गया दुर्गा मंदिर तक करीब 1,200 मीटर लंबी और 15 मीटर चौड़ी सड़क को मुख्यमंत्री बीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्क्रीन (बीन रोड) के तहत स्मार्ट रोड के रूप में विकसित करने की तैयारी है।सांसद रवि किशन के प्रस्ताव पर अबन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट एजेंसी (यूटिसी) की टीम ने सड़क का स्थलीय जायजा लिया। नगर निगम अब इस सड़क को स्मार्ट रोड के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजेगा। सड़क के साथ जलनिकासी, पैदल पथ, पथ प्रकाश समेत अन्य शहरी सुविधाएं विकसित करने की योजना है।रुस्तमपुर बाला से आजाद चौक, बगहा बाबा मंदिर होते हुए मलौनी बांध तक करीब तीन किलोमीटर सड़क को लोक निर्माण विभाग 20.34 करोड़ रुपये से उबल लेन बना रहा है। नगर निगम के मुख्य अभियंता अनित शर्मा ने बताया कि सांसद रवि किशन ने रुस्तमपुर डाला से आजाद चौक तक की सड़क को सीएम विड्स योजना में स्मार्ट रोड के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव दिया था।

अब हॉस्टल में ही मिलेगा भोजन, इयूटी में व्यस्त पीजी छात्राओं को राहत

गोरखपुर , एजेंसी। मरीजों की देखभाल में इयूटी का समय बढ़ने पर अब बीआरडी मेडिकल कॉलेज की पीजी छात्राओं को भोजन के लिए परेशान नहीं होने पड़ेगा। सौ बेड वाले पीसी महिला छात्रावास में मेस शुरू कर दिया गया है। यहां रहने वाली पीजी छात्राओं को हॉस्टल में ही भोजन के साथ चाय-नाश्ता भी मिलेगा। इयूटी के चलते भोजन के निर्धारित समय पर नहीं पहुंच पाने पर उनका खाना सुरक्षित रखा जाएगा।पीजी छात्राएं अस्पताल के विभिन्न वार्डों में रेजिडेंट डॉक्टर के तौर पर इयूटी करती हैं। मरीजों की सख्या अधिक होने या इनजेंसी में व्यस्तता के कारण कई बार उनकी इयूटी निर्धारित समय से आगे बढ़ जाती है। ऐसे में हॉस्टल से दूर स्थित कॉमन मेस तक पहुंचना मुश्किल होता था। आने-जाने में भी अतिरिक्त समय लगता था। कई बार कॉमन मेस बंद हो जाने के बाद छात्राओं को बाहर से भोजन करना पड़ता था। अब हॉस्टल में ही मेस की सुविधा मिलने से इस समस्या का समाधान होगा। इयूटी के कारण पीठ में कोई छात्रा भोजन के समय मेस नहीं पहुंच पाती है तो उसका भोजन सुरक्षित रखा जाएगा। इयूटी पूरी होने के बाद वह हॉस्टल लौटकर खाना खा सकेगी। इससे खासकर इनजेंसी और देर तक चलने वाली इयूटी करने वाली छात्राओं को राहत मिलेगी। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्रचार्य डॉ. धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए मरीजों की देखभाल प्राथमिकता होती है। कई बार काम के कारण भोजन का समय वय नहीं रह जाता। इसी को देखते हुए हॉस्टल में मेस की सुविधा शुरू की गई है, ताकि छात्राएं इयूटी के बाद भी सुरक्षित रखा भोजन कर सकें।

उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की 11 सीटों के चुनाव के लिए भाजपा ने खोले सभी पते

स्नातक-शिक्षक सीटों पर छह और नाम घोषित, टूटा शर्मा गुट

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की 11 सीटों के चुनाव के लिए भाजपा ने अपने सभी प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। मंगलवार को पार्टी ने छह और नामों का ए्लान किया। इनमें तीन स्नातक और तीन शिक्षक सीटें शामिल हैं। इससे पहले मई में पांच सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए जा चुके थे। इस तरह भाजपा ने चुनावी मैदान में अपनी पूरी तस्वीर साफ कर दी है।

भाजपा के केंद्रीय कार्यालय के प्रभारी तरुण चुच की ओर जारी सूची के मुताबिक वाराणसी स्नातक सीट से केदार नाथ सिंह, मेरठ स्नातक सीट से दिनेश गोयल और इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीट से अशोक कुमार राठौर को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं, वाराणसी

शिक्षक सीट से डॉ. प्रमोद मिश्रा, आगरा शिक्षक सीट से से इंजीनियर हरकिशोर तिवारी और गोरखपुर- फैजाबाद शिक्षक सीट से ध्रुव त्रिपाठी प्रत्याशी बनाए गए हैं। जबकि मेरठ स्नातक से दिनेश गोयल मौजूदा एमएलसी हैं और पार्टी ने उन्हें फिर मैदान में उतारा है। ध्रुव कुमार त्रिपाठी और प्रमोद मिश्रा शिक्षक संघ शर्मा गुट के नेता रहे हैं। प्रमोद मिश्रा वर्तमान में इस संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष भी रहे हैं।

दूसरी सूची में शामिल केदारनाथ सिंह पूर्व एमएलसी हैं और पिछले चुनाव में ये सपा से हार गए थे। फिर भी भाजपा ने इस बार फिर मौका दिया है। जबकि कर्मचारी नेता रहे हरकिशोर तिवारी को पहली बार मौका दिया गया है। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में भी पार्टी ने अपने पुराने संगठनात्मक आधार और सक्रिय



चेहरों को मैदान में उतारा है।

पहले घोषित हो चुके हैं ये पांच प्रत्याशी: भाजपा ने इससे पहले लखनऊ स्नातक से इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह, आगरा स्नातक से डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह, बरेली-मुरादाबाद शिक्षक से डॉ. हरि सिंह

द्विवेदी और मेरठ शिक्षक से श्रीचंद्र शर्मा को प्रत्याशी बनाया था।

इन पांचों को पार्टी ने दोबारा मौका दिया है। इस तरह भाजपा ने पांच स्नातक और छह शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अपने

उम्मीदवार तय कर दिए हैं।

सामाजिक समीकरण पर भी फोकस : प्रदेश संगठन के गठन के बाद भाजपा ने शिक्षक और स्नातक सीटों पर एमएलसी चुनाव में भी सामाजिक समीकरण पर खास फोकस किया है। इनमें भाजपा ने 11 सीटों में से सबसे अधिक सीटों पर ब्राम्हण चेहरों को मौका दिया है। जबकि ओबीसी के तीन, राजपूत के दो और वैश्य जाति से एक प्रत्याशी को मैदान में उतारकर जातीय और क्षेत्रीय समीकरण को साधने का प्रयास किया गया है।

2027 से पहले अहम सियासी कवायद : विधान परिषद का यह चुनाव सामान्य विधानसभा चुनाव से अलग मतदाता समूह के बीच होता है। इसके बावजूद 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले इसे भाजपा के लिए संगठनात्मक संपर्क

और शिक्षक-स्नातक वर्ग के बीच पहुंच परखने के मौके के रूप में देखा जा रहा है। इन सीटों पर लंबे समय से अलग-अलग राजनीतिक दलों और शिक्षक संगठनों का प्रभाव रहा है। ऐसे में भाजपा के लिए चुनौती केवल अपने प्रत्याशियों को जिताने की नहीं, बल्कि इन निर्वाचन क्षेत्रों में संगठन और मतदाता नेटवर्क को प्रभावी बनाने की भी होगी।

23 अक्तूबर को मतदान, 27 को नतीजे : 11 सीटों के लिए 23 अक्तूबर को मतदान होगा और 27 अक्तूबर को मतगणना होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख छह अक्तूबर और नाम वापसी की अंतिम तारीख नौ अक्तूबर है। मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल छह दिनोंबर को समाप्त हो रहा है।

अब तक कई नौकरशाह आजमा

चुके हैं राजनीति में अपनी किस्मत

लखनऊ, एजेंसी। पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल राजनीति में कदम रखने वाली पहली नौकरशाह नहीं हैं। उनसे पहले कई अधिकारी यूपी की सियासत में किस्मत आजमा चुके हैं। इनमें कई को तो ठीकठाक मुकाम हासिल हो गया लेकिन कई की सियासी पारी खत्म हो चुकी है।

सियासत में सफल होने वाले नौकरशाहों में पूर्व डीजीपी बृजलाल और कानपुर के पुलिस कमिश्नर रह चुके असीम अरुण शामिल हैं। ईडी के पूर्व संयुक्त निदेशक राजेश्वर सिंह भी वीआरएस लेकर राजनीति में आए और विधायक बने।

वहीं, पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन ने सेवानिवृत्ति के बाद सपा में पहचान तो बनाई लेकिन चुनाव नहीं जीत सके। वीआरएस लेने वाले आईएएस अभिषेक सिंह को भी राजनीति रास नहीं आई। सेवानिवृत्ति के बाद पूर्व डीजीपी विजय कुमार और पूर्व डीजी सूर्य कुमार शुक्ला भाजपा में शामिल हुए लेकिन दोनों को कोई पद नहीं मिला। पूर्व आईएएस अनीस अहमद अंसारी को कांग्रेस में कोई पद नहीं



मिला। पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर ने अपनी पार्टी बनाई लेकिन अब तक पैर नहीं जमा सके हैं।

महिलाओं की संख्या कम : सियासी राह चुनने वाली महिला अफसरों की संख्या बेहद कम है। जनवरी 2026 में आईएएस अनामिका सिंह ने वीआरएस लिया लेकिन सियासी राह नहीं चुनी। बीते कुछ वर्षों में नौ आईएएस वीआरएस ले चुके हैं तो चार ने इस्तीफा दिया। इनमें आरपी सिंह, राजीव अग्रवाल, मो. मुस्तफा, रेणुका कुमार, जूथिका पाटणकर, विकास गोठलवाल, रिंजयान सैफिल, विद्या भूषण, एस मुथु शालिनी हैं।

सुशांत गोल्फ सिटी की सड़कें बनाने के लिए अधिग्रहीत होगी जमीन,लैंडपूलिंग के विकल्प का बनाया जा रहा प्रस्ताव

लखनऊ, एजेंसी। नैमिष नगर और वरुण विहार योजना की तरह एलडीए शहीद पथ स्थित असल एपीआई की हाईटेक टाउनशिप सुशांत गोल्फ सिटी को भी मुख्यमंत्री शहरी विस्तारिकरण योजना के तहत विकसित करेगा। शासन इसके लिए प्राधिकरण को बजट देगा। एलडीए की कार्ययोजना में इसका प्रावधान किया गया है। टाउनशिप की प्रमुख सड़कें बनाने के लिए जमीन का अधिग्रहण होगा।

सुशांत गोल्फ सिटी के पूर्ण, आंशिक रूप से विकसित व अविकसित क्षेत्रों को अलग-अलग चिह्नित करते हुए अधूरी सड़कों, सीवर, पानी, बिजली आदि सुविधाओं को पूरा कराया जाएगा। टाउनशिप के अंदर कुछ प्रमुख मार्गों का निर्माण जमीन उपलब्ध न होने के कारण पूरा नहीं हो पाया है। मेदांता अस्पताल तथा बेस्ट प्राइस के आसपास प्रमुख सड़कों का काम पूरा करने के लिए एलडीए अधिग्रहण करेगा।

टाउनशिप में एसटीपी, सीवर लाइन, विद्युत सब स्टेशन तथा रेलवे ओवरब्रिज सहित अवस्थापना के कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए जाने हैं। जरूरत पड़ने पर इनके लिए भी जमीन अधिग्रहित की जाएगी। टाउनशिप के अवस्थापना विकास के बचे कार्यों पर करीब 2216.91 करोड़ रुपये का खर्च आने का



अनुमान है।

नए मानचित्रों पर लगेगा टाउनशिप कंप्लीशन शुल्क : टाउनशिप को पूरा करने के लिए नए मानचित्रों की स्वीकृति मंजूरी, शमन मानचित्र अथवा टाउनशिप कंप्लीशन शुल्क लगाने का भी प्रस्ताव है। प्रारंभिक आकलन के आधार पर यह 1150 प्रति वर्गमीटर रखा जाना प्रस्तावित है। वास्तविक व्यय के आधार पर कुल आच्छादित क्षेत्रफल के अनुसार शुल्क का निर्धारण होगा। इसके लिए प्राधिकरण बोर्ड को अधिकृत करने का प्रस्ताव है। टाउनशिप कंप्लीशन शुल्क का उद्देश्य केवल परियोजना को पूर्ण कराना होगा। इसे प्राधिकरण की

नियमित आय का स्रोत नहीं बनाया जाएगा। शुल्क से मिली रकम को डेडिक्टेड एस्कॉ खाते में रखते हुए केवल इसी योजना के विकास कार्यों पर खर्च किया जाएगा। इंडब्यूएस और एलआईजी भवनों-भूखंडों पर यह शुल्क नहीं लगाया जाएगा।

एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि टाउनशिप में 800 बड़े भूखंडों की कंपनी की कंसोर्टियम की ओर से नियमों के विपरीत बेचने के मामले में रजिस्ट्री निस्सीकरण से पहले लैंडपूलिंग का भी विकल्प रखा जाएगा। इसका प्रस्ताव बनाया जा रहा है। इसमें आवंटित भूखंड के बदले दो या उसके अधिक प्रतिशत जमीन दी जाएगी। हालांकि, यह तभी अमल में आएगा जब एनसीएलटी से एलडीए को टाउनशिप विकसित करने के लिए मिल जाएगी। अभी एनसीएलटी में नवंबर में तारीख है। बड़े भूखंडों की सूची बनाकर निबंधन कार्यालय से रजिस्ट्री भी निकलवाई जा रही है। कुछ रजिस्ट्री निकल भी आई है। हाईटेक टाउनशिप को व्यवस्थित तरीके से विकसित किया जाएगा। अधूरी सुविधाओं को पूरा किया जाएगा। इस पर विशेष ध्यान होगा कि खरीदारों के हित प्रभावित न हों। इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। यह तभी होगा जब एनसीएलटी से टाउनशिप टेकओवर कर ली जाएगी।



माता-पिता सहित अन्य लाभार्थियों ने

बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और

आयोजन को उत्साहपूर्वक मनाया।

छह बार उजड़ी कोख, सातवीं बार में अच्छू को मिली मातृत्व की अनमोल खुशी

बरेली, एजेंसी। बरेली के संजय नगर की अच्छू ने छह बार गर्भस्थ शिशुओं को खोने के बाद आखिरकार एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया है। एक साल तक चले विशेष चिकित्सकीय इलाज और निगरानी के बाद यह संभव हो पाया। इस सफलता ने परिवार में छह बार के मातम के बाद खुशियां लौटाई हैं।

22 वर्षीय अच्छू की शादी कृष्ण से हुई थी। पहली गर्भावस्था में उन्हें तीन शिशुओं को खाना पड़ा। दूसरी बार जुड़वां बच्चों की भी मौत हो गई। इसके बाद भी कई बार गर्भधारण हुआ, लेकिन हर बार गर्भस्थ शिशुओं की मौत का सामना करना पड़ा। छह बार मां बनने का सपना टूटने से परिवार के लिए यह एक कठिन समय था।

दिसंबर 2025 में अच्छू ने जिला महिला अस्पताल की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ फरहाना से इलाज शुरू कराया। गर्भधारण के पहले ही माह से यह उपचार

शुरू हुआ। करीब एक साल तक नियमित उपचार और कड़ी निगरानी में गर्भावस्था को आगे बढ़ाया गया। इस वर्ष 20 नवंबर को अच्छू ने निजी अस्पताल में सिसेरियन प्रसव से बच्ची को जन्म दिया। जिला महिला अस्पताल की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ फरहाना ने बताया कि बार-बार गर्भपात होने पर महिला को घबराने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे मामलों में समय पर जांच और उचित इलाज महत्वपूर्ण है। आयरन कैल्शियम की दवा के साथ खून को पतला करने वाली दवाएं भी दी जाती हैं।

दरअसल, खून गाढ़ा होने से गर्भधारण के दौरान थका बनने से गर्भपात की अधिक आशंका होती है। फरहाना के अनुसार, अच्छू ने समय पर उनसे संपर्क किया। उनकी खून की जरूरी जांचें कराई गईं और आवश्यक इलाज दिया गया।

अनंत है भगवान की कथा, कभी नहीं होती समाप्त: राजेंद्र दास

गोरखपुर , एजेंसी। कथा व्यास वृंदावन से पधारे जगद्गुरु स्वामी राजेंद्र दास देवाचार्य ने व्यास पीठ से श्रीमद्भगवत कथा के विश्राम पर श्रद्धालुओं को कथा सुनाते हुए कहा कि भगवान की कथा अनंत है, यह कभी समाप्त नहीं होती। भगवान की कथा सुनने से मनुष्य के भीतर भक्ति और श्रद्धा का भाव जागृत होता है।

ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 57वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेघनाथ की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित साप्ताहिक श्रीमद्भगवत कथा का मंगलवार को पूर्णहृति के साथ समापन हुआ। कथावाचक ने कहा कि गोरखपुरवासियों के लिए यह भगवान की परम कृपा है कि भगवान की प्रेरणा से हनुमान प्रसाद पोद्दार, स्वामी रामसुखदास, राधा बाबा तथा जयप्रयास गौयनका जैसे परम संतों ने गोरखपुर में साधना की। भगवत्कृपा से यहां गीता प्रेम और कल्याण जैसी पवित्र धार्मिक पत्रिका के

माध्यम से सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति का महान कार्य हुआ।

उन्होंने कहा कि गोरखपुर साक्षात शिवावतार गुरु गोरखनाथ की तपस्थली है। इसलिए यह कोई सामान्य स्थान नहीं, बल्कि परम पवित्र तीर्थ है। संसार में ज्ञान से पवित्र कई वस्तु नहीं हैं। उपनिषदों की श्रुति ज्ञान को साक्षात ब्रह्मस्वरूप बताती है। अखंड ज्ञान केवल भगवान में ही है और ज्ञान के बिना मुक्ति संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि तीर्थों में गंगासागर को श्रेष्ठ तीर्थ माना गया है और पुराणों में वहां 99 करोड़ तीर्थों के निवास का वर्णन मिलता है।

कथा वाचक ने कहा कि संपूर्ण ऐश्वर्य, धर्म, यश, श्रीज्ञान और वैराग्य इन छह प्रकार के ऐश्वर्य का पूर्ण स्वरूप भगवान में निवास करता है। भगवान हमारे शरण हैं और हम भगवान के शरणागत हैं, यह भाव दृढ़ता से हृदय में स्थापित कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्याकरण का अध्ययन आवश्यक है, किंतु



व्याकरण पढ़ा हुआ व्यक्ति यदि न्याय दर्शन का अध्ययन नहीं करता तो उसे बाल कहा जाता है। न्याय दर्शन के अध्ययन से बुद्धि तीक्ष्ण होती है। शब्द वायु रूप होते हैं, किंतु जब वही शब्द किसी संत के मुखारविंद से निकलते हैं तो वे केवल वायु रूप नहीं रहते, बल्कि

भगवान के चरण कमलों की सुगंध से युक्त हो जाते हैं। इस सुगंध का अनुभव नाक से नहीं, बल्कि कानों के माध्यम से होता है। संतों की वाणी सुनने से श्रोता का हृदय भगवान के चरण कमलों की सुगंध से भर जाता है और वहां भगवान का निवास हो जाता है।

उन्होंने कहा कि जिस दिन हम हृदय से स्वीकार कर लेंगे कि यह तन-मन और यह संसार सब भगवान का है, उसी दिन से हम स्वयं भी कोई अनुचित कार्य नहीं कर सकेंगे। भगवान प्रेम के भूखे हैं और उन्हें अनन्य प्रेम से ही जीता जा सकता है। कथा वाचक ने कहा कि कल्याण का मूल उद्गम भक्ति है और भक्ति भागवत चरित्र के श्रवण से उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि शत्रुघ्न जी लक्ष्मण जी से छोटे हैं, किंतु भागवत धर्म में उनसे बड़े हैं, क्योंकि वे भगवान श्रीराम के साथ रहने के बजाय भगवान के परम भक्त भरत जी के साथ रहते हैं। भगवान के साथ रहना सरल है, किंतु भगवान के भक्त के साथ रहना कठिन है। श्रद्धा भगवान की कथा से उत्पन्न होती है। श्रद्धा से रति और रति से भक्ति उत्पन्न होती है। जब हमारा मन भगवान के अनुराग में डूब जाता है, तब सांसारिक भोग वनम के समान प्रतीत होने लगते हैं और इंद्रियां विषयों से हटकर भजन के लिए आतुर हो जाती हैं। गुरु

ही साक्षात परम ब्रह्म हैं और गुरु के प्रति निष्ठा से ही भगवान की प्राप्ति होती है।

कथा का समापन आरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। कथा की पूर्णाहृति के अवसर पर शौकेत, हरियाणा से पधारे महंत बालक दास, जगद्गुरु स्वामी राम दिनेशाचार्य, वाराणसी से पधारे जगद्गुरु स्वामी डॉ. रामकमलदास वेदांती, सिंघाई एवं जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, पुणपदत जैन, विधायक विपिन सिंह सहित अनेक संत-महात्मा एवं श्रद्धालु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्वामी राजेंद्र दास देवाचार्य ने कहा कि मनुष्य को यह भाव अपने हृदय में दृढ़ करना चाहिए कि भगवान ही उसके शरण हैं और वह भगवान का शरणागत है। जब यह भाव मन में स्थायी हो जाता है तो जीवन के प्रति दृष्टिकोण बदलने लगता है। उन्होंने कहा कि तन, मन और संसार में हमारा अपना कुछ भी नहीं है। जिस दिन मनुष्य इसे हृदय से स्वीकार कर लेता है, उसी दिन से अनुचित कार्यों से उसका मन हटने लगता है।

एशियन गेम्स: एनआरएआई प्रेसिडेंट और सचिव ने

नीरुढांडा को ऐतिहासिक सफलता पर बधाई दी

नागोया। नीरु ढांडा ने एशियन गेम्स में मेडल्स की शानदार तिकड़ी पूरी की। नीरु और कायनन चेनाई ने बुधवार को मिक्स्ट टीम ट्रैप इवेंट में भारत के लिए गोल्ड मेडल जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में कतर को हराया। एनआरएआई प्रेसिडेंट कलिकेश नारायण सिंह देव और जनरल सेक्रेटरी पवन कुमार सिंह ने भारतीय ट्रैप शूटर्स को उनकी उपलब्धि के लिए प्रशंसा की है।

भारतीय जोड़ी ने क्वालीफिकेशन में 136 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहने के बाद चार फाइनलिस्टों में सबसे निचली रैंक के साथ मेडल राउंड में एंट्री की। चीन, कतर और ईरान टॉप तीन स्थानों पर रहे, जिससे नॉकआउट स्टेज में भारत के पास गलती करने की बहुत कम गुंजाइश बची।

ईरान चौथे स्थान पर रहकर बाहर होने वाली पहली टीम थी। इसके बाद चीन अगले स्टेज में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर बाहर हो गया। भारत और कतर के बीच गोल्ड के लिए मुकाबला था। भारतीय जोड़ी ने कतर की टीम को हराते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के प्रेसिडेंट कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, हमारे ट्रैप शूटर्स के लिए यह एक बहुत बड़िया एशियन गेम्स रहा है। आज का गोल्ड एक परफेक्ट फिनिश है। नीरु के लिए कुछ ही दिनों में मेडलों की तिकड़ी पूरी करना — इंडिविजुअल गोल्ड, टीम सिल्वर और अब मिक्स्ट टीम गोल्ड — एक शानदार उपलब्धि है। क्वालीफिकेशन में चौथे स्थान से शुरू करने के बाद कतर की एक मजबूत जोड़ी को हराकर ऐसा करना खिलाड़ियों के असली कैरेक्टर को दिखाता है। कायनन को भी बहुत बड़ा श्रेय जाता है, जो गेम्स के सभी फॉर्मेट्स और एडिशनल्स में भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करते रहते हैं।

एनआरएआई के सेक्रेटरी जनरल पवन कुमार सिंह ने कहा, आज जो बात सबसे खास रही, वह थी क्वालीफिकेशन राउंड में मामूली प्रदर्शन के बाद नीरु और कायनन द्वारा दिखाया गया धैर्य। चौथी सीड से वापसी करना और गोल्ड-मेडल मैच में कतर को हराना, साथ ही एशियन गेम्स कारिकार्ड बनाना,



यह दिखाता है कि हम अपने एथलीटों में कितनी मानसिक ताकत बना रहे हैं। इंडिविजुअल, टीम और मिक्स्ट टीम इवेंट्स में इस तरह का नतीजा दिखाता है कि हमारे ट्रैप शूटिंग प्रोग्राम की गहराई आखिरकार सबसे बड़े स्टेज पर मेडल में बदल रही है।

इस जीत के साथ एशियन गेम्स का रिकॉर्ड भी बना,

भारतीय जोड़ी ने क्वालीफिकेशन में 136 के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहने के बाद चार फाइनलिस्टों में सबसे निचली रैंक के साथ मेडल राउंड में एंट्री की। चीन, कतर और ईरान टॉप तीन स्थानों पर रहे, जिससे नॉकआउट स्टेज में भारत के पास गलती करने की बहुत कम गुंजाइश बची।

जिससे क्वालीफिकेशन में भारत की मामूली शुरुआत के बाद एक शानदार बदलाव आया। ढांडा के लिए, यह गोल्ड एशियन गेम्स 2026 में उनके शानदार शूटिंग कैपेन में जुड़ा एक और शानदार अध्याय है। नीरु ने मंगलवार को इंडिविजुअल महिला ट्रैप गोल्ड जीता था, जिससे वह इस डिस्प्लिन में इंडिविजुअल एशियन गेम्स गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इससे पहले उन्होंने आशिमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ टीम सिल्वर भी जीता था।

मिक्स्ट टीम की जीत से इंडिविजुअल, टीम और मिक्स्ट टीम फॉर्मेट में उनके मेडल की संख्या तीन हो गई है। वहीं, चेनाई ने अपने कलेक्शन में एक और एशियन गेम्स गोल्ड जोड़ा। उन्होंने 2023 एशियन गेम्स में पुरुषों की टीम ट्रैप में गोल्ड और इंडिविजुअल ब्रॉन्ज जीते थे। नीरु के साथ मिली जीत ने सभी एडिशनल्स और फॉर्मेट्स में उनकी निरंतरता को दिखाया।

'हम ओलंपिक में भी ऐसा ही प्रदर्शन करेंगे', बीएफआई चीफ अजय सिंह ने एशियन गेम्स में भारतीय मुक्केबाजों के प्रदर्शन को सराहा

आइची-नागोया। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के प्रेसिडेंट अजय सिंह ने एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों के प्रदर्शन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि 11 इवेंट्स में टीम के छह मेडल पिछले संस्करण की तुलना में काफी बेहतर हैं और महाद्वीपीय प्रतियोगिता में टीम की मजबूती को दिखाते हैं।

भारत के बॉक्सिंग अभियान में तीन और ब्रॉन्ज मेडल जुड़े। प्रिया घंघस, नरेंद्र और कपिल पांखरिया अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले हार गए, जिसके चलते उन्हें ब्रॉन्ज



मेडल मिले। दूसरी ओर, भारत के लिए अच्छी खबर यह रही कि लवलीना बोरगोहेन, अंशुश दहिया और परवीन हुड्डा शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने वर्ग के

फाइनल में पहुंच गए हैं और अब गोल्ड मेडल जीतने की चुनौती पेश करेंगे। अजय सिंह ने 'आईएनएस' से कहा, हमें इन एशियन गेम्स में 11 इवेंट्स में छह मेडल मिले हैं। पिछली

बार हमें 13 इवेंट्स में चार मेडल मिले थे। इसलिए हमने पिछली बार की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। मुझे लगता है कि तीन मुक्केबाजों का फाइनल में पहुंचना एक शानदार उपलब्धि है, क्योंकि बॉक्सिंग के लिए एशियन गेम्स काफी हद तक ओलंपिक जैसे ही होते हैं। उन्होंने आगे कहा, "दुनिया के सभी टॉप देश एशियाई खेलों में हिस्सा लेते हैं। इसी कारण यहां हम जैसा भी प्रदर्शन कर रहे हैं, पूरी संभावना है कि ओलंपिक में भी वैसा ही प्रदर्शन दिखाया जाएगा। वह मेडल जीतना, जिनमें से तीन फाइनल में हैं, एक बड़ी उपलब्धि है।

केंद्र ने खरीफ 2026-27 के लिए एमएसपी पर दालों और तिलहनों की खरीद को मंजूरी दी : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को उत्तर प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में खरीफ विपणन सत्र 2026-27 के लिए मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 5,547.99 करोड़ रुपए की खरीद को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस फैसले का उद्देश्य बाजार कीमतों में गिरावट से किसानों को बचाना और उनकी उपज का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना है। खासतौर पर दाल और तिलहन उत्पादकों को इससे लाभ मिलेगा।

मंजूरी की गई खरीद में सबसे बड़ा 3,992.57 करोड़ रुपए का हिस्सा उत्तर प्रदेश का है। इसके तहत 4,66,000 मीट्रिक टन तुार की 3,937.70 करोड़ रुपए में और 6,250 मीट्रिक टन मूंग की 54.87 करोड़ रुपए में एमएसपी पर खरीद की जाएगी। कर्नाटक में दाल और तिलहन किसानों के लिए पीएसएस के तहत



1,107 करोड़ रुपए की खरीद को मंजूरी दी गई है। इसमें 659.27 करोड़ रुपए से 1,15,500 मीट्रिक टन सोयाबीन की खरीद की जाएगी, जबकि 38,250 मीट्रिक टन मूंग 335.83 करोड़ रुपए में और 13,413 मीट्रिक टन सूरजमुखी 111.90 करोड़ रुपए में खरीदी जाएगी। तेलंगाना में 448.42 करोड़ रुपए की खरीद को मंजूरी दी गई है। इसमें मूल्य समर्थन योजना के तहत

एमएसपी पर 62,000 मीट्रिक टन सोयाबीन की 353.90 करोड़ रुपए में और 10,766 मीट्रिक टन मूंग की 94.52 करोड़ रुपए में खरीद की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस फैसले से किसानों को अधिक आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। साथ ही, यह दालों और तिलहनों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देगा, साथ ही दालों और खाद्य तेलों के क्षेत्र में

आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के प्रयासों में योगदान देगा।

उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी निर्धारित खरीद केंद्रों पर खरीद की व्यवस्था पारदर्शी रहेगी और किसानों को उनकी उपज का भुगतान समय पर सीधे उनके बैंक खातों में किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों को कल्याण, उनकी आय बढ़ाना और कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूत करना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है कि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिले और खरीद व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं सुलभ बनाया जाए। मंजूरी की गई खरीद योजना के तहत तीन राशियों के किसानों को प्रमुख दालों और तिलहनों की बड़े पैमाने पर एमएसपी पर खरीद का लाभ मिलेगा।

बल्क 'एफडी' पर नया नियम, रोज बतानी होगी ब्याज दर

नई दिल्ली। बड़ी रकम को फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश करने वाले ग्राहकों के लिए 1 अक्टूबर 2026 से बैंकिंग व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव लागू होने जा रहा है। नए प्रावधानों के तहत बैंकों को बल्क फिक्स्ड डिपॉजिट यानी बड़ी रकम वाली एफडी पर लागू ब्याज दरों की जानकारी अपनी वेबसाइट पर नियमित रूप से सार्वजनिक करनी होगी।

इस बदलाव का मुख्य उद्देश्य बड़े जमाकर्ताओं और संस्थागत ग्राहकों के लिए ब्याज दरों को लेकर पारदर्शिता बढ़ाना है। इससे ग्राहकों को बैंक से संपर्क किए बिना ऑनलाइन यह जानकारी मिल सकेगी कि उनका इन बल्क एफडी पर बैंक किस दर से ब्याज दे रहा है।

नए नियम के मुताबिक बैंकों को प्रत्येक कार्यदिवस बल्क एफडी की लागू ब्याज दर अपनी वेबसाइट पर सुबह 10 बजे तक अपडेट करनी होगी। इसके लिए 10 मिनट की अतिरिक्त समय-सीमा भी निर्धारित की गई है। यानी बैंक अधिकतम सुबह 10:10 बजे तक उस दिन की दर प्रकाशित कर सकेगा। वेबसाइट पर



प्रकाशित दर के आधार पर ही उस दिन संबंधित बल्क एफडी स्वीकार की जाएगी। इससे ग्राहकों को बैंक की मौजूदा दर की स्पष्ट जानकारी पहले से मिल सकेगी।

यह बदलाव सामान्य छोटी या नियमित एफडी के लिए नहीं है। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के मामले में 3 करोड़ या उससे अधिक की जमा राशि को बल्क डिपॉजिट की श्रेणी में रखा जाता है। इसलिए आम तौर पर छोटी रकम को एफडी कराने वाले ग्राहकों पर इस व्यवस्था का सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसका असर मुख्य रूप से बड़े व्यक्तिगत जमाकर्ताओं, कंपनियों, संस्थानों और अन्य बड़े निवेशकों पर होगा। नई व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण

पहलू यह है कि एक ही बैंक में समान राशि और समान अवधि की बल्क एफडी के लिए अलग-अलग शाखाओं द्वारा मनमाना ब्याज दर देने की संभावना कम होगी। इससे बड़े जमाकर्ताओं को अलग-अलग शाखाओं में जाकर दरों की जानकारी लेने की जरूरत घट सकती है।

हालांकि, कुछ नियामकीय परिस्थितियों में बैंक को अलग दर की अनुमति हो सकती है। ऐसे मामलों में संबंधित नियम और बैंक की लागू शर्तें प्रभावी रहेंगी। बल्क एफडी में बड़ी रकम लगाने वाले ग्राहकों के लिए रोजाना ब्याज दर की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध होने से तुलना करना आसान होगा।

लगातार तीसरे सत्र में गिरा बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में 0.42 प्रतिशत तक की गिरावट

मुंबई। अमेरिकी और ईरान के बीच सुलह की उम्मीदें धूमिल होने के कारण तेल की कीमतों में उछाल आने से हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट दर्ज की गई। फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में गिरावट के कारण प्रमुख बेंचमार्कों, निफ्टी 50 और सेंसेक्स, ने अपनी दिन की बढ़त खो दी।

सेंसेक्स 48.78 अंक यानी 0.07 प्रतिशत गिरकर 72,480.29 पर आ गया, तो वहीं निफ्टी 50 95.75 अंक यानी 0.42 प्रतिशत गिरकर 22,620.45 पर पहुंच गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.02 प्रतिशत और 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी मीडिया में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई, जबकि निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

'पायलटों के बीच हिंसक विवाद' के चलते दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाइट दुबई की उड़ान ने की इमर्जेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाइट दुबई की उड़ान को 'पायलटों के बीच हिंसक विवाद' के चलते बुधवार को सऊदी अरब में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। यह जानकारी इजरायली मीडिया की ओर से दी गई। यरुशलैम पोस्ट ने सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से बताया कि दो पायलटों के बीच "हिंसक" झगड़े के बाद विमान को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। हालांकि, विमान में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। एक पायलट ने दूसरे पायलट पर चाकू से हमला किया।

फ्लाइट में मौजूद एक और यात्री, मिरियम ने चैनल 15 को बताया कि यात्रियों ने फ्लाइट के दौरान किल्लाने की आवाज सुनी थी। जब कोकपिट का दरवाजा खोला गया, तो अंदर खून पड़ा था। उनके मुताबिक, एक पायलट पर फोल्डिंग चाकू से हमला किया गया था। यात्रियों और क्रू ने मिलकर लड़ाई में दखल दिया और उसे रोका। इसके बाद, प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

भारत में निवेशकों की भागीदारी बढ़ने से पीएमएस इंडस्ट्री की ग्रोथ 20 प्रतिशत रहने की उम्मीद: सेबी चेयरमैन

नई दिल्ली। भारत में शेयर बाजार में निवेशकों की भागीदारी बढ़ने से पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) इंडस्ट्री के 20 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह जानकारी भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन लुहिन कांत पांडे की ओर से बुधवार को दी गई।

एसोसिएशन ऑफ पोर्टफोलियो मैनेजर्स इंडिया (एपीएमआई) की तीसरी सालाना इन्वेस्टर कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, पांडे ने कहा कि भारत के निवेश क्षेत्र के कई हिस्से 15 प्रतिशत से ज्यादा की दर से बढ़ रहे हैं, जिससे पीएमएस के 20 प्रतिशत की दर से बढ़ने की गुंजाइश बन रही है। हालांकि, सेबी चेयरमैन ने इस आंकड़े को औपचारिक ग्रोथ अनुमान के तौर पर पेश नहीं किया, बल्कि वेलथ क्रिएशन और निवेशकों की भागीदारी बढ़ने के साथ निवेश उत्पादों की संभावनाओं के बारे में बताया।

मिडिल ऑर्डर में बल्लेबाजी करना चुनौतीपूर्ण : ऋतुराज गायकवाड़

बोले- अपनी ताकत पर भरोसा रखना जरूरी

गुवाहाटी। भारतीय बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने माना कि इंटरनेशनल मैचों के बीच लंबे गैप से थोड़ी घबराहट होती है। उन्होंने कहा कि टॉप लेवल पर अपनी रेगुलर ओपनिंग भूमिका से मिडिल ऑर्डर में शिफ्ट होने में अलग-अलग चुनौतियां होती हैं, जिसमें तकनीकी बदलाव करना भी शामिल है। गायकवाड़ अपने करियर में ज्यादातर ओपनिंग बल्लेबाज के रूप में खेलते नजर आए हैं। हालांकि, जब भी भारतीय टीम में मध्यक्रम में जगह खाली हुई, उन्होंने चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की जिम्मेदारी निभाई है। अब तक खेले गए 10 वनडे मैचों में गायकवाड़ ने एक शतक और एक अर्धशतक की मदद से 241 रन बनाए हैं, जिससे उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित की है।

गायकवाड़ ने ब्रॉडकास्टर संग बात करते हुए कहा, "बहुत अंतर है। मैंने जैसा कहा कि फर्स्ट-क्लास लेवल पर 100 से ज्यादा पारियों में ओपनिंग की है। इसी वजह से मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करना, खासकर इंटरनेशनल क्रिकेट में अलग-अलग चुनौतियां लेकर आता है। आपको स्ट्राइक रेटेट करनी होती है। आपको यह पक्का करना होता है कि आप सही



विकल्प चुनें।

भारतीय बल्लेबाज ने कहा, अक्सर जब हम पावरप्ले में बैटिंग करते हैं, तो आसान बाउंड्री मिल जाती है, फील्डर अंदर होते हैं। हालांकि, मिडिल ऑर्डर में बैटिंग करते समय आपको बस यह पक्का करना होता है कि आप जरूरी बदलाव करें और मैंने जैसा कहा कि अपनी ताकत पर भरोसा रखें, चाहे वह कुछ भी हो।

भारत के लिए फिर से खेलने को लेकर गायकवाड़ में घबराहट है, जो तिरुवनंतपुरम में 8 विकेट से मिली जीत में 13 रन पर नाबाद रहे थे। उन्होंने कहा, सच कहूं तो, वह बहुत पहले की बात है। उसके बीच मैंने कई पारियां खेलीं। जाहिर है कि आईपीएल

भी था। इसलिए अलग-अलग कंडीशन में खेला, अलग-अलग नंबर पर खेला। जाहिर है कि लंबे समय बाद इंटरनेशनल लेवल पर वापसी करने पर थोड़ी घबराहट तो होती ही है। हालांकि मुझे लगता है कि पिछले गेम में मैदान पर जाकर थोड़ी दूर टिके रहना बेहतर रहा।

नेशनल टीम में कभी-कभी मिलने वाले मौकों और टीम में अपनी जगह को लेकर बनी अनिश्चितता के बारे में बात करते हुए गायकवाड़ ने कहा कि उनके लिए सबसे जरूरी बात यह रही है कि वे बहुत आगे की सोचने के बजाय वर्तमान पर ध्यान दें। उन्होंने कहा, बात बस अपना बेस्ट देने की है।



क्रिकेट में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे हैं। उन्होंने तीन पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल कर लिया है। मेडिस को इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 121 रनों की शानदार पारी का इनाम मिला है। हैरी ब्रूक टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल होने से महज एक पायदान दूर हैं। वह ताजा रैंकिंग में 11वें नंबर पर

आ गए हैं। आयरलैंड के बल्लेबाज हैरी टेक्टर 10वें नंबर पर बने हुए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में शतकीय पारी खेलने वाले टेंटा बावुमा ने 10 पायदान ऊपर की छलांग लगाई है और वह अब बल्लेबाजों की रैंकिंग में 32वें नंबर पर आ गए हैं। मैथ्यू ब्रीट्जके ने 19 पायदान की छलांग लगाई है और वह अब 21वें नंबर पर पहुंच गए हैं। डेविड मिलर 142 रनों की शानदार पारी खेलने के साथ ही 41वें नंबर पर आ गए हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में साउथ अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज ने तीन पायदान की छलांग लगाई है और वह अब तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, न्यूजीलैंड के स्पिनर मिचेल सैंटनर तीसरे स्थान से खिसककर चौथे नंबर पर आ गए हैं। भारतीय गेंदबाज कुलदीप यादव भी चार पायदान ऊपर चढ़े हैं और वह अब गेंदबाजों की रैंकिंग में पांचवें नंबर पर आ गए हैं।

बिना लाइसेंस गतिविधियों पर 25 करोड़ रुपए तक जुमाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम क्षेत्र में नियामकीय ढांचे को आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए पेट्रोलियम (संशोधन) विधेयक, 2026 का मसौदा सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए जारी किया है। प्रस्तावित संशोधनों के तहत लाइसेंस संबंधी मामूली उल्लंघनों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने का प्रावधान किया गया है, जबकि बिना लाइसेंस गतिविधियां संचालित करने और पेट्रोलियम अवसरंजन को नुकसान पहुंचाने जैसे गंभीर मामलों के लिए कड़ी सजा और भारी जुमाने का प्रस्ताव रखा गया है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी मसौदे के अनुसार, जो गतिविधियां कानून के तहत लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही की जा सकती हैं, उन्हें बिना लाइसेंस संचालित करने पर तीन वर्ष तक की जेल, 25 करोड़ रुपए तक का जुमाना या दोनों लगाए जा सकते हैं। सरकार ने यह भी प्रस्तावित किया है कि यदि



उल्लंघन लगातार जारी रहता है, तो दोषी इकाई पर प्रति दिन 10 लाख रुपए तक का अतिरिक्त जुमाना लगाया जा सकता है।

मसौदे में धोखाधड़ी से लाइसेंस हासिल करने के मामलों को भी गंभीर अपराध माना गया है। यदि कोई व्यक्ति गलत जानकारी, फर्जी पहचान या अन्य बेईमान तरीकों से लाइसेंस प्राप्त करता है, तो उसे पांच साल तक की कैद, जुमाना या दोनों का सामना करना पड़ सकता है। सरकार ने पेट्रोलियम अवसरंचना की सुरक्षा को लेकर भी

सख्त रुख अपनाया है। प्रस्ताव के अनुसार, पेट्रोलियम सुविधाओं को नुकसान पहुंचाने, ईंधन चोरी करने या लोगों की सुरक्षा को खतरों में डालने जैसे मामलों में पहली बार दोषी पाए जाने पर पांच वर्ष तक की कैद और 15 करोड़ रुपए तक का जुमाना लगाया जा सकेगा। यदि ऐसा अपराध दोबारा किया जाता है, तो सजा और अधिक कठोर हो जाएगी। दूसरी या उससे बाद की गलती पर सात वर्ष तक की कैद और 25 करोड़ रुपए तक के जुमाने का प्रावधान रखा गया है।



यूपीआई के दबदबे वाले बाजार में एप्पल पे की एंट्री

नई दिल्ली। एप्पल ने भारत में अपनी डिजिटल भुगतान सेवा एप्पल पे लॉन्च कर दी है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे समय में एप्पल पे की एंट्री हुई है जब भारत दुनिया के सबसे उन्नत डिजिटल भुगतान बाजारों में से एक है और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) देश के कुल डिजिटल भुगतान लेनदेन का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संभालता है। मार्केट रिसर्च फर्म सीएमआर के इंडस्ट्री रिसर्च ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट प्रभु राम ने कहा कि एप्पल पे का भारत में लॉन्च कंपनी के हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और सेवाओं के इकोसिस्टम को और मजबूत बनाता है।

पेरिस से लौटते ही ऐश्वर्या राय ने जीता

दिल

मुंबई। ग्लोबल आइकन ऐश्वर्या राय बच्चन 'पेरिस फैशन वीक' में जलवा बिखेरने के बाद भारत लौट आई हैं। मंगलवार देर रात, अभिनेत्री पैपराजी के साथ गर्मजोशी से बातचीत करती नजर आई।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में, पेरिस फैशन वीक से लौटने के बाद ऐश्वर्या राय बच्चन फोटोग्राफर्स से बातचीत करती नजर आई। कार की ओर बढ़ते समय उन्होंने न केवल एक प्रशंसक को ऑटोग्राफ दिया, बल्कि वहां मौजूद पैपराजी के अनुरोध पर तस्वीरें खिंचवाने के लिए रुक भी गईं। अलग-अलग पोज देने के बजाय, अभिनेत्री ने मीडियाकर्मीयों से कहा, "आइए, सब लोग मिलकर एक ग्रुप फोटो लेते हैं। ऐश्वर्या के इस व्यवहार ने वहां मौजूद सभी फोटोग्राफर्स का दिल जीत लिया और उनके इस सहज व विनम्र रवैये की सराहना भी हो रही है।

दरअसल, अभिनेत्री अभी 'पेरिस फैशन वीक' से लौटी हैं, जहां उन्होंने रैंप पर क्रिस्टल से सजी केप वाली वेलवेट ड्रेस पहनकर वाक किया था। एक्ट्रेस ने सोमवार, 28 सितंबर को एफिल टॉवर के सामने 'प्लेस जोफ्रे' में आयोजित पेरिस फैशन वीक में हिस्सा लिया। इस शो में केंडल जेनर, इवा लोंगोरिया, सेलीन डियोन, सिमोन एशले, वियोला डेविज, फांका, कारा डेलोविंगने और एंडी मैकडॉवेल जैसी ग्लोबल हस्तियां और एंबेसडर शामिल हुए।

स्टेज पर ऐश्वर्या और अन्य ग्लोबल हस्तियां काफी मस्ती करती दिखीं और रैंप वाक करते समय ऐश्वर्या ने क्राउन भी पहना था। ग्लोबल फैशन और सिनेमा इवेंट्स से ऐश्वर्या का जुड़ाव 2002 में कास फिल्म फेस्टिवल में उनकी पहली मौजूदगी से शुरू हुआ था। उस समय वह संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' के प्रीमियर के लिए फेस्टिवल में पहुंची थीं, जिसे इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल में दिखाया गया था।

निर्देशक संजय लीला भंसाली और सह-कलाकार शाहरुख खान के साथ, ऐश्वर्या ने पारंपरिक पीली साड़ी में यादगार एंटी की थी। तीनों एक घोड़ा-गाड़ी में सवार होकर वहां पहुंचे थे। अगले साल, वह फीचर-फिल्म जूरी की सदस्य के तौर पर फेस्टिवल में लौटीं और ऐसा करने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं।

इमोशनल हुई ईशा रिखी, फैस से बोलीं-इमोशनल ब्रेकडाउन हुए



मुंबई। अभिनेत्री ईशा रिखी 'बिग बॉस -20' के घर से बाहर आ गई हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को अपने फैस और सपोर्टर्स का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने घर के अंदर बिताए अपने समय को याद किया और बताया कि यह सफर कई तरह के इमोशन से भरा रहा, जिसमें कई बार उन्हें अपनी भावनाएं व्यक्त करने में भी दिक्कत हुई। ईशा रिखी ने इस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने उन लोगों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इस मुश्किल और चुनौती भरे सफर में उनका साथ दिया। अभिनेत्री ने लिखा, "बिग बॉस के घर में तीन हफ्ते, इतने सारे इमोशन, अनुभव, चुनौतियाँ, हंसी, आंसूओं और यादों से भरे हफ्ते, जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगी। अभिनेत्री ने फैस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, "वापस आकर मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है। उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मेरा साथ दिया, मुझ पर भरोसा किया, मेरे लिए तालियां बजाईं और उन लोगों का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे सपोर्ट नहीं किया। अभिनेत्री ने आगे लिखा, "मैं हर राय, मैसेज और ईसान की आभारी हूँ जो किसी भी तरह से इस सफर का हिस्सा बना। पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए आसान नहीं थे, मेरे इमोशनल ब्रेकडाउन हुए, ऐसे पल आए जब मैं खुद को ठीक से एक्सप्रेस नहीं कर पाई और ऐसे पल भी आए, जहां मैं वैसी नहीं दिख पाई जैसी मैं दिखना चाहती थी। मुझे पता है कि मैंने आप में से कुछ लोगों को निराश किया होगा और अगर ऐसा हुआ है, तो मैं दिल से माफ़ी मांगती हूँ। ईशा रिखी का कहना है कि बिग बॉस के कई सारे अनुभवों को एक सीख के तौर पर लिया है। अभिनेत्री ने लिखा, "मैं अभी भी सब कुछ समझने की कोशिश कर रही हूँ, खुद को बेहतर समझ रही हूँ और इस पूरे अनुभव को एक सीख के तौर पर ले रही हूँ।

'अफगानिस्तान में नागरिकों पर बमबारी, टीटीपी के नाम पर झूठ', रिपोर्ट में खुली पाकिस्तान की पोल

काबुल/इस्लामाबाद। काबुल में अपनी मनमर्जी चलाने में नाकाम होने के बाद पाकिस्तान ने अब अफगानिस्तान में सीधे तौर पर सैन्य आक्रांति दिखानी शुरू कर दी है। इस्लामाबाद न तो वहां की सरकार पर अपना प्रभाव जमा पा रहा है और न ही उसके पास कोई दूसरा ठोस वैकल्प बचा है, जिसकी वजह से शह लगातार हवाई हमलों का सहारा ले रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बदलाव इस बात को रेखांकित करता है कि रणनीतिक गहराई का सिद्धांत केस हद तक ध्वस्त हो गया है, और पाकिस्तान अब उसी तालिबान की हीत को अस्थिर करने के तरीके खोज रहा है, जिसका उसने कभी जश्न मनाया था।

'पारहेशिया न्यूज' में एक रिपोर्ट में बताया गया, "यूएनएफएफ ने एक बार फिर अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हवाई हमलों के बाद नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। कुनार में सितंबर के महीने में एक पुरुष, एक महिला और एक बच्ची मारे गए। इस्लामाबाद ने



घोषणा की थी कि उसने आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया है और टीटीपी लड़ाकों को मारा है। उन लड़ाकों की पहचान स्वतंत्र रूप से स्थापित नहीं की गई है, जबकि नागरिकों की पहचान, हमेशा की तरह, अब नाम, परिवार और मरने की जगह के साथ हुई है।

यह पाकिस्तान के अफगान युद्ध में बार-बार होने वाला अस्सुलन बनता जा रहा है: सेना अपने लक्ष्यों की घोषणा करती है, जबकि दूसरे उसके द्वारा मारे गए लोगों का दस्तावेजीकरण करते हैं। इसके अनुसार, सितंबर के हमले कोई अलग-थलग घटना नहीं

थे। पाकिस्तानी अभियानों में बार-बार अफगान नागरिकों की मौत हुई है, चाहे वह सीमावर्ती प्रांत हों या काबुल में ओमेद नशा पुनर्वास केंद्र।

पाकिस्तान भले ही यह दावा करे कि उसके हमले आतंकियों पर थे, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि इस्लामाबाद हमलों के बाद अपने टारगेट को लेकर अलग ही कहानी पेश करता है। यह तो हो सकता है कि किसी हमले में आम नागरिक और आतंकी दोनों मारे जाएं, लेकिन जब बार-बार आम अफगानों की मौत की पुष्टि हो रही है, तो सिर्फ इरादे को

मैं बांग्लादेश लौटने की तैयारी कर रही हूँ, पूर्व पीएम शेख हसीना ने दोहराई वापसी की बात

ई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक बार फिर कहा है कि वह स्वदेश लौटने का इरादा रखती हैं। ब्रिटेन स्थित थिंक टैंक 'ग्लोबल सेंटर फॉर डेमोक्रेटिक क्वबर्नेंस' की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में वो वचुं अवरुद्ध हुईं। इस दौरान एक सवाल के जवाब में हसीना ने कहा, मैं बांग्लादेश वापस जाने की योजना बना रही हूँ। उससे जवाब दिया गया कि क्या वो सौ फीसदी इस बात पर कायम हैं कि इस साल दिसंबर में (जैसा उन्होंने पहले दावा किया था) बांग्लादेश लौटेंगी? हसीना ने कहा, "जी बिल्कुल, मैं बका इरादा रखती हूँ। सभी जानते हैं कि मेरा पासपोर्ट वगैरह सब सिल हो गया है। मैं योजना बना रही हूँ। सही वक्त आने पर मैं खुलासा करूंगी कि कैसे और कब मैं वहां जाने वाली हूँ। उन्होंने अपने संभावित वापसी को लेकर कहा है कि वे नानुनी परिणामों का सामना करने के लिए तैयार हैं। उनके आधिकारिक, उनका बांग्लादेश लौटने का फैसला उनके देश और वहां के लोगों से जुड़ा है।

वैसे पहली बार नहीं है कि निर्वासित जीवन की रही हसीना ने बांग्लादेश लौटने की इच्छा जाहिर की हो। इससे पहले भी वो स्वदेश लौटने का ऐलान कर चुकी हैं। 15 अगस्त को दक्षिण एशिया के फॉरन कॉरस्पोंडेंट्स क्लब (एफसीसी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भी वो वीडियो लिंक के माध्यम से जुड़ी थीं और यहां भी उन्होंने स्वदेश लौटने की च्छा जताई थी। इस कार्यक्रम में उनके साथ उनके बेटे राजीब वाजेद जॉय और पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन गैथरी नौपेल सहित अन्य अवामी लोग नेता भी मौजूद थे।



इस दौरान उन्होंने कहा, हम मुझे गिरफ्तार किया जा सकता है, मुझे जेल भेजा जा सकता है। लेकिन डर जनता के प्रति मेरे कर्तव्य को तय नहीं कर सकता। जब मेरे प्यारे देशवासी कष्ट झेल रहे हों, तो मैं चुप नहीं रह सकती।

तब भी वापसी की सही तारीख को लेकर उन्होंने कहा था कि समय आने पर घोषणा की जाएगी, लेकिन कानूनी पेचीदगियों का हवाला दे दावा किया कि वो इस साल दिसंबर में वहां जा सकती हैं। हसीना ने कहा था कि उनकी अवामी लीग पार्टी पर लगा प्रतिबंध हटा दिया जाना चाहिए। वहीं, उनके बेटे ने कहा था कि मौजूदा सरकार ने उनसे कोई संपर्क नहीं किया। वहीं, जुलाई में रॉयटर्स न्यूज एजेंसी को दिए एक इंटरव्यू में भी हसीना ने कहा था कि वह दिसंबर में अपने वरिष्ठ पार्टी सहयोगियों के साथ बांग्लादेश लौटकर अलगत के समक्ष आत्मसमर्पण करने की योजना बना रही हैं।

बांग्लादेश: बंगबंधु की किताब बेचने पर पब्लिशिंग हाउस कर्मियों को किया गया परेशान

ढाका। बांग्लादेश में अतिव्यक्ति की आजादी पर पारबंदियों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, ढाका में पब्लिशिंग हाउस 'यूनियवर्सिटी प्रेस लिमिटेड' (यूपीएल) के दो कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार चर्चा में है। स्थानीय मीडिया के अनुसार बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की लिखी किताब 'द अनफिनिशड मेमोयर्स' की बिक्री के कारण उन्हें परेशान किया गया और पुलिस के पास ले जाया गया।

पुलिस ने बताया कि इस घटना में शामिल लोग स्थानीय बीएनपी कार्यकर्ता थे, जबकि बाद में दोनों कर्मियों को छोड़ दिया गया। बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट बीटीन्यूज24 की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रपुर पुलिस स्टेशन के इंचार्ज अधिकारी मतिउर रहमान ने कहा, "यूपीएल लंबे समय से शेख मुजीब की किताब 'द अनफिनिशड मेमोयर्स' प्रकाशित कर रहा है। शायद उनके पास पुराने संस्करण की कुछ कॉपियां थीं जो पहले छपी थीं उसे बेचा जा रहा था। बस यही इसी वजह से कुछ लोग वहां से दो कर्मचारियों को पुलिस के पास ले गए।

विमान पर कथित अटैक के बाद हमें सैन्य अभियानों को और तेज करने की जरूरत: इजरायली मंत्री

तेल अवीव। इजरायली मंत्री ने तेल अवीव जा रही फ्लाइट को क्रैश कराने की कोशिश को 'आतंकवादी' घटना करार दिया है। यह घटना तब हुई जब सऊदी अरब में एक फ्लाइट को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी; पायलट और को-पायलट के बीच हाथापाई के बाद शुरू में विमान के हाईजैक होने का डर पैदा हो गया था। राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने कहा कि इस घटना से पता चलता है कि इजरायल को पूरे क्षेत्र में अपने सैन्य अभियानों को और तेज करने की जरूरत है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा, भगवान और जांबाज यात्रियों का शुक्रिया, लेकिन इजरायल की सुरक्षा नीति को भी मजबूत कर अगले स्तर तक ले जाने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि देश को ईरान, लेबनान, गाजा और कब्जे वाले वेस्ट बैक में पूरी जीत हासिल होने तक लड़ते रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, यह भोली-भाली सोच कि हमारे दुश्मन जिंदगी की अहमियत समझते हैं और हमारी दया के हकदार हैं।

भारत और श्रीलंका ने द्विपक्षीय मामलों और समुद्री मुद्दों पर चर्चा की

कोलंबो। भारत और श्रीलंका ने समुद्री मुद्दों, द्विपक्षीय मामलों और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने को लेकर बातचीत की। यह बातचीत कोलंबो में विदेश मंत्रालय (एमईए) के यूनाइटेड नेशंस इकोनॉमिक एंड सोशल (यूएनईएस) डिवीजन के अपर सचिव एक्विनो विमल और श्रीलंका के विदेश मंत्रालय की कानूनी सलाहकार तिलानी सिल्वा के बीच हुई बैठक के दौरान हुई।

श्रीलंका में भारतीय दूतावास ने एक्स पर बैठक के बारे में जानकारी देते हुए कहा, "एमईए के अपर सचिव (यूएनईएस) डॉ. एक्विनो विमल और श्रीलंका के विदेश मंत्रालय की कानूनी सलाहकार तिलानी सिल्वा ने 29-30 सितंबर 2026 को कोलंबो में समुद्री मुद्दों पर चर्चा की और द्विपक्षीय मामलों तथा बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग पर विचार-विमर्श किया।

भारत ने श्रीलंका की कई जयशंकर ने एक्स पोस्ट में कहा, भारत श्रीलंका के पब्लिक हेल्थ सिस्टम को सपोर्ट करने के लिए प्रतिबद्ध है। आज

7,000 करोड़ के कानूनी दावे पर एआई कंपनी के सीआईओ का

उर्वशी रौतेला से बोले- 'खुद को शिक्षित करो'

मुंबई। एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला की टीम और लॉस एंजेलिस बेस्ड एआई कंपनी से जुड़ा विवाद अब सोशल मीडिया तक पहुंच गया है। उर्वशी की टीम ने आरोप लगाया है कि कंपनी ने एक्ट्रेस के नाम, तस्वीरों और वीडियो का बिना अनुमति इस्तेमाल किया है। इस मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है और नुकसान की भरपाई के तौर पर करीब 7,000 करोड़ रुपए के हजाने का आकलन किया जा रहा है।

अब बॉलीवुड डॉट एआई और हॉलीवुड डॉट एआई के फाउंडर और सीईओ शीराज हसन ने इन आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है। यह पूरा मामला एक वायरल इंटरव्यू के बाद सामने आया, जिसमें बॉलीवुड डॉट एआई ने उर्वशी रौतेला से बॉलीवुड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर उनकी राय पूछी थी। इस दौरान उर्वशी से बॉलीवुड और एआई के बीच बदलते रिश्ते पर सवाल किया गया था। जवाब में एक्ट्रेस ने कहा था, "बॉलीवुड ? मुझे लगता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ऐसी चीज है, जो बॉलीवुड को प्रभावित कर रही है। बॉलीवुड इससे परेशान है। मैं बॉलीवुड से प्यार करती हूँ।"

उर्वशी की इस टिप्पणी पर शीराज हसन ने अपने इस्टाग्राम हैंडल के जरिए जवाब दिया। उन्होंने कहा कि इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस के मुंह में कोई बात नहीं डाली गई थी। शीराज ने उर्वशी को एआई और बॉलीवुड के भविष्य को लेकर और जानकारी हासिल करने की सलाह भी दी। उन्होंने लिखा, "उर्वशी, हमने आपके मुंह में ये शब्द नहीं डाले थे। मैं आपको सलाह देता हूँ कि अगली बार जवाब देने से पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बॉलीवुड के इंटरटेनमेंट बिजनेस के भविष्य के बारे में खुद को और शिक्षित करें।" शीराज हसन ने बॉलीवुड डॉट एआई और



हॉलीवुड डॉट एआई को इंटरटेनमेंट का भविष्य बताते हुए एआई फिल्मों, वर्टिकल ड्रामा और डिजिटल स्टार्स का जिक्र किया। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, "बॉलीवुड डॉट एआई और हॉलीवुड डॉट एआई इंटरटेनमेंट का भविष्य हैं। एआई फिल्में, वर्टिकल ड्रामा और डिजिटल स्टार्स जो कभी बूढ़े नहीं होते, कई भाषाएं बोलते हैं, चौबीस घंटे काम करते हैं और जिनका कोई इंगो नहीं होता। आप अपने जवाब से लड़ सकते हैं, लेकिन जो अगला बदलाव आने वाला है, उससे नहीं लड़ सकते। इसे अपनाइए, क्योंकि यह बॉलीवुड में इंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के विकास का हिस्सा है।"

मोहनलाल के साथ काम करने पर अर्जुन रामपाल ने जाहिर की खुशी, कहा- यह प्रेरणादायक अनुभव



मुंबई। अभिनेता अर्जुन रामपाल जल्द ही पैन-इंडिया एक्शन ड्रामा फिल्म 'ऑपरेशन गंगा' में नजर आएंगे। बुधवार को अभिनेता ने फिल्म में मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने पर अपना अनुभव साझा किया। अभिनेता ने इस्टाग्राम पर मोहनलाल के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने सुपरस्टार मोहनलाल के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने इसे सम्मान की बात बताया और इस अनुभव को प्रेरणादायक कहा।

अर्जुन रामपाल ने मोहनलाल के प्रतिभा की तारीफ करते हुए लिखा, "सर, आपके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह बहुत ही प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने 'ऑपरेशन गंगा', जॉर्जिया और त्विब्लिसी से जुड़े हैशटैग भी ऐड किए। इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले फिल्ममेकर विष्णु मोहन ने डायरेक्ट किया है, जो ब्लॉकबस्टर 'मेम्पाडियन' को डायरेक्ट करने के लिए जाने जाते हैं। 'ऑपरेशन गंगा' एक हाई-ऑक्टेन सरवाइवल थ्रिलर ड्रामा होगी, जिसमें मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल के अलावा बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल, एक्ट्रेस भाग्यश्री

उत्तर कोरिया के पास 'काफी बड़ा' परमाणु भंडार मेरे रहते किम को कोई परेशानी नहीं: ट्रंप



तक मैं आसपास हूँ, वह ठीक रहेगा। ट्रंप ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि किम उनका सम्मान करते हैं और उन्हें पसंद करते हैं।

ट्रंप ने यह टिप्पणी मंगलवार को कोरिया के लीडर किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का हवाला दिया है। उन्होंने कहा है कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के पास 'काफी बड़ा' परमाणु हथियार भंडार है। ट्रंप के मुताबिक जब तक वह स्वयं पद पर हैं, किम 'ठीक' रहेंगे, क्योंकि उनके मुताबिक उत्तर कोरियाई नेता उनका सम्मान करते हैं और उन्हें पसंद करते हैं।

ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को लेकर अमेरिका तथा उसके सहयोगियों की चिंता बनी हुई है। उत्तर कोरिया लंबे समय से अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को आगे बढ़ाता रहा है और किम जोंग-उन इसके विस्तार को देश की सुरक्षा नीति का अहम हिस्सा बताते रहे हैं। ट्रंप और किम के बीच पहले भी कई दौर की व्यक्तिगत कूटनीति हो चुकी है। हालांकि, उनके इस ताजा

बयान में किसी नई बैठक या वार्ता की घोषणा नहीं की गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने बयान में किम के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि किम उनके प्रति सम्मान और सकारात्मक भावना का लागाया आरोप: ट्रंप ने उत्तर कोरिया के परमाणु भंडार की कोई संख्या नहीं बताई। योनहाप की रिपोर्ट में भी उनके बयान में परमाणु

बांग्लादेश: अवाजी लीग ने बीएनपी सरकार पर हिंसा और राजनीतिक बदले की मांग का लागाया आरोप:

ढाका। बांग्लादेश की अवामी लीग ने आरोप लगाया है कि सत्ताधारी बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) सरकार के कार्यकाल में देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है। पार्टी ने हत्या, बलात्कार, भीड़ द्वारा हत्या और लोगों के गबरन गायब किए जाने की चिंताजनक घटनाओं का हवाला दिया है।

श्रीलंका में भारत के उच्चायुक्त संतोष झा मौजूद थे। भारतीय उच्चायोग के अनुसार, इस प्रोजेक्ट को भारत ने 600 मिलियन श्रीलंकाई रुपए (एसएलएर) ग्रांट दिया है।

इससे पहले 4 सितंबर को, झा ने श्रीलंकाई संसद के स्पीकर जगत विक्रमरत्ने और आवास, निर्माण और जल आपूर्ति उप मंत्री टी बी सरथ के साथ पोलोन्नारुवा में 21वें मॉडल विलेज 'सुहादागामा' का उद्घाटन किया था। झा ने एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने कहा, श्रीलंकाई संसद के माननीय स्पीकर डॉ. जगत विक्रमरत्ने और आवास, निर्माण और जल आपूर्ति के माननीय उप मंत्री श्री टी बी सरथ के साथ पोलोन्नारुवा में 21वें मॉडल विलेज 'सुहादागामा' का उद्घाटन किया। भारतीय ग्रांट सहायता से चलने वाला यह मॉडल विलेज प्रोजेक्ट श्रीलंका के सही 25 जिलों में फैला है और जमीनी स्तर पर सार्वक प्रगति लाने में भारत-श्रीलंका साझेदारी की मजबूती को दिखाता है।